दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03: अंक: 260 | ग्वालियर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य: 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

संजय दत्त ने जीती कैंसर से जंग

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त ने कैंसर से लड़ाई जीत ली है. दिवाली से पहले संजय के ठीक होने की ये खबर उनके फैन्स में खुशी की एक लहर सी दे गई है. संजय ने खुद ट्वीट करके ये जानकारी अपने फैन्स के साथ साझा की है. उन्होंने ट्वीट में अपने परिवार, दोस्तों और सभी फैन्स का शुक्रिया अदा किया है जो इस मुश्किल वक्त में पूरे वक्त उनके साथ खड़े रहे. उन्होंने लिखा, पिछले कुछ हफ्ते मेरे और मेरे परिवार के लिए काफी मुश्किल रहे हैं. लेकिन जैसा कि कहा जाता है कि ईश्वर सबसे कठिन लड़ाइयां सबसे मजबूत लड़ाकों को देता है. और आज अपने बेटे के बर्थडे पर मैं खुश हूं इस लड़ाई से जीतकर बाहर आने के लिए और उन्हें सर्वश्रेष्ठ गिफ्ट देने योग्य बनने के लिए, जो है मेरे परिवार की सेहत और उनकी समृद्धि. ये संभव नहीं हो पाता आप सबकी तरफ से मिलने वाले सपोर्ट के बिना. मैं पूरी तरह से एहसानमंद हूं अपने परिवार, दोस्तों और अपने उन सभी फैन्स का जो मेरे साथ खड़े रहे और इस आजमाने वाले वक्त में मेरे साथ मेरी ताकत बनकर खड़े रहे. शुक्रिया इस प्यार, दया और असीम आशीर्वाद के लिए जो आप मुझे देते रहे. उन्होंने लिखा, मैं खास तौर पर डॉक्टर सेवांती और उनकी टीम का शुक्रगुजार हूं, नर्सें और कोकिलाबेन अस्पताल का बाकी मेडिकल स्टाफ जिन्होंने बीते कुछ हफ्तों में मेरी बहुत अच्छे से देखरेख की है. विनम्र और आभारी हूं. उन्होंने लिखा कि इस खबर को साझा करते हुए मेरा हृदय आभार से भर गया है. हाथजोड़कर शुक्रिया करता हूं आप सभी का.

दुर्गा पूजा आयोजकों को कलकत्ता हाईकोर्ट से राहत
अब पंडालों में अधिकतम 60 लोग कर सकते हैं प्रवेश

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पूजा पंडालों को नो एंट्री जोन बताने वाले आदेश में थोड़ा बदलाव किया है। कोर्ट के नए आदेश से पूजा आयोजकों को थोड़ी राहत मिली है, क्योंकि हाईकोर्ट के नए आदेश के मुताबिक, अब अधिकतम 60 लोग एक बार में पंडाल में प्रवेश कर सकते हैं। दरअसल, पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा आयोजकों ने पंडालों के संबंध में अदालत के आदेश में मामूली बदलाव का अनुरोध किया था, जिसकी सुनवाई आज हुई। कोलकाता हाईकोर्ट ने अपने आदेश को थोड़ा संशोधित किया और कहा कि बड़े पूजा पंडालों में अधिकतम 60 लोग जा सकते हैं, जबकि छोटे पंडालों में 15 लोगों के प्रवेश की इजाजत होगी। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, कोर्ट ने अपने आदेश में ढाकी को (एक तरह से पारंपरिक ड्रम वादक) को भीनो पूजा पंडालों के एंट्री जोन में जाने की इजाजत दे दी है। इस फैसले के बाद वे अब पंडाल के गेट के बाहर ढोल बजा सकते हैं। गौरतलब है कि महानगर में दुर्गा पूजा आयोजकों के एक संघ ने मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए पंडालों को नो एंट्री जोन बनाने के अदालत के आदेश में मामूली बदलाव का अनुरोध किया था। इससे पहले के आदेश में कोर्ट ने छोटे पूजा पंडालों में समिति के 15 सदस्यों को प्रवेश करने की अनुमति दी थी, वहीं बड़े पंडालों में 25 को। साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि प्रवेशकों के नाम पहले से तय करने होंगे और उन्हें दैनिक रूप से नहीं बदला जा सकता है। न्यायमूर्ति संजीव बनर्जी और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी की खंडपीठ ने सोमवार को आदेश दिया था कि राज्य में सभी दुर्गा पूजा पंडालों के चारों तरफ बैरिकेड लगाये जाने चाहिए ताकि पूजा समिति के कुछ सदस्यों को छोड़कर अन्य किसी को प्रवेश नहीं करने दिया जाए। कोलकाता में 300 से अधिक पूजा समितियों के संघ फोरम फॉर दुर्गोत्सव ने अदालत के आदेश में मामूली बदलाव का अनुरोध किया है।

मोदी सरकार का बड़ा ऐलान

30 लाख सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा दिवाली बोनस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा ऐलान किया है. सरकार ने 30 लाख सरकारी कर्मचारियों को दिवाली बोनस देने की घोषणा की है. बुधवार को हुई मोदी कैबिनेट की बैठक में ये फैसला लिया गया. कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए सीधे कर्मचारियों के खातों में पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे. उन्होंने बताया कि तुरंत पैसे ट्रांसफर करने का आदेश दे दिया गया है. बता दें कि इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला

सीतारमण ने सरकार कर्मचारियों के लिए स्पेशल फेस्टिवल एडवांस स्कीम की घोषणा की थी. इस स्कीम के जरिए कर्मचारी एडवांस में 10 हजार रुपये ले सकेंगे.

30 लाख कर्मचारियों को होगा फायदा-केंद्रीय कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए प्रॉडक्टिविटी और नॉन-प्रॉडक्टिविटी लिंक्ड बोनस को मंजूरी दी है. इस घोषणा से 30 लाख नॉन-गजेटेड कर्मचारियों को फायदा होगा. केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कैबिनेट की निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि विजयदशमी या दुर्गा पूजा से पहले ही केंद्र सरकार के 30 लाख कर्मचारियों को 3737 करोड़ रुपये के बोनस का भुगतान तुरंत शुरू होगा.

कैबिनेट की बैठक में और क्या फैसले लिए गए

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में जम्मू-कश्मीर में जिला पंचायत चुनाव कराने को भी मंजूरी दे दी गई है. केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में सभी कानून लागू हो गए हैं. पिछले हफ्ते ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का कानून हो गया. आज केंद्रीय कैबिनेट ने जिला परिषद के सीधे चुनाव कराने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है. प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर चुनाव होगा. अब जम्मू-कश्मीर में भी त्रिस्तरीय पंचायत होगी. इसके लिए उन्हें आर्थिक सत्ता भी मिलेगी. अभी चुनाव की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी और लोग मताधिकार से अपने जनप्रतिनिधि को चुनेंगे. पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने जो वादा किया था, वह पूरा हो गया.

कांग्रेस का वादा- शराबबंदी की करेंगे समीक्षा, हो रहा राजस्व को नुकसान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कई पार्टियों ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है. महागठबंधन का हिस्सा कांग्रेस पार्टी ने भी बुधवार को अपना बदलावपत्र जारी किया, जिसमें कई बड़े वादे किए गए. इन्हीं से एक वादा कांग्रेस ने शराबबंदी को लेकर भी किया है. कांग्रेस का कहना है कि शराबबंदी के निर्णय की वो सत्ता में आने पर समीक्षा करेगी. कांग्रेस ने कहा है कि शराबबंदी से राज्य के राजस्व को नुकसान हुआ है, लेकिन सरकार इसके सकारात्मक उद्देश्य से भटक गई है. इसके कारण राज्य में अवैध व्यापार हो रहा है और पुलिस को लाभ पहुंचा है, जबकि जनता अभी भी परेशान ही है. ऐसे में सत्ता में आने पर इसकी सही से समीक्षा की

जाएगी. आपको बता दें कि शराबबंदी के फैसले को नीतीश सरकार ने लागू किया था और इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया था. हालांकि, चुनावी सीज़न में बिहार के कई इलाकों में शराब पकड़ी गई है, जो कि इस फैसले के क्रियान्वन पर सवाल खड़े करती है. सइनके अलावा कांग्रेस ने अपने वादों में कई अहम बातें कही हैं, जिनमें सौ यूनिट तक आधा बिल माफ, लड़कियों को स्कूटी, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, विधवाओं को पेंशन देने की बात कही गई है.

बता दें कि कांग्रेस के अलावा लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने भी बुधवार को शराबबंदी पर सवाल उठाए थे. चिराग ने कहा था कि क्या सिर्फ शराबबंदी करने से ही महिला सशक्तिकरण हो गया है. शराबबंदी का फैसला सही तरीके से लागू नहीं हुआ है. बिहार में कांग्रेस कुल 70 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और महागठबंधन का हिस्सा है. राज्य में 28 अक्टूबर को पहले चरण के लिए मतदान होना है.

बिहार चुनाव: लालू की बहू ऐश्वर्या राय ने चुनावी सभा में छुए नीतीश कुमार के पैर

सारण। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के लिए चुनाव प्रचार पूरे जोर पर है। अपने प्रत्याशियों के लिए वोट मांगने के लिए सभी बड़े नेता रैली कर रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सारण जिले की परसा विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। यहां से चंद्रिका राय जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार हैं। मंच पर अपने पिता के साथ लालू यादव की बहू और तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय भी मौजूद थीं। उन्होंने इस चुनावी सभा में नीतीश कुमार के पैर छुए। इसके बाद सभा को संबोधित करते हुए ऐश्वर्या राय ने कहा कि मैं अपने पिता के लिए आप सभी लोगों से वोट मांगने आई हूं। यह परसा विधानसभा क्षेत्र के मान सम्मान की बात है। अपने संबोधन के दौरान ऐश्वर्या ने खुद भी राजनीति में आने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि मैं कुछ ही समय बाद आप लोगों के बीच आऊंगी। इस सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने अपनी उपलब्धियों को जनता के सामने रखा। वहीं तेजप्रताप यादव और ऐश्वर्या राय की शादी के टूटने का जिक्र करते हुए नीतीश ने कहा कि एक पढ़ी लिखी लड़की से इस तरह व्यवहार हुआ। प्रकृति ने इस कृत्य के लिए लिए कोई न कोई व्यवस्था की ही होगी। उन्होंने कहा कि शादी में हमलोग गए थे लेकिन उसके बाद जो हुआ, वह किसी को अच्छा नहीं लगा। नीतीश कुमार ने कहा कि महिलाओं का अपमान और उनके साथ इस तरह का व्यवहार बिल्कुल अनुचित है। उन्हें अभी समझ नहीं आ रहा होगा। लेकिन भविष्य में महिला के खिलाफ किए गए इस कृत्य की सजा जरूर मिलेगी। महिलाओं का अपमान करना बहुत खतरनाक है। बता दें कि परसा विधानसभा क्षेत्र से चंद्रिका राय जदयू के उम्मीदवार हैं। वे यहां से राजद के टिकट पर पिछला चुनाव जीते थे। इसी बीच उनकी बेटी ऐश्वर्या राय की शादी लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव से हुई। लेकिन यह शादी ज्यादा दिन चल नहीं पाई। फिलहाल यह मामला अदालत में है। इस कारण दोनों परिवारों के बीच खराब हुए संबंधों के बाद चंद्रिका राय ने नीतीश कुमार की पार्टी का दामन थाम लिया था।

जबलपुर हाईकोर्ट का सीएम शिवराज सिंह

राज्यपाल और 14 मंत्रियों समेत कई को नोटिस

जबलपुर। मध्य प्रदेश में सियासत का तख्तापलट होने के बाद कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में आए 14 पूर्व विधायकों को मंत्री बना दिया गया था. शिवराज सरकार के इसी फैसले को लेकर जबलपुर हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है. याचिका पर सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने ना सिर्फ 14 मंत्रियों को बल्कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यपाल और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है.

छिंदवाड़ा की अधिवक्ता आराधना भार्गव की ओर से दायर की गई याचिका में कहा गया है कि मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार ने संविधान के नियमों का गलत इस्तेमाल किया है. कांग्रेस के 22 विधायक अपने पद से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हुए, लेकिन जब शिवराज सरकार ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया तो इन्हीं पूर्व

विधायकों में से 14 को मंत्री पद से नवाजा गया, जो की पूरी तरीके से असंवैधानिक है. याचिका में यह भी कहा गया है कि किसी गैर विधायक को मंत्री बनाने का फैसला विषम परिस्थितियों में किया जाता है, लेकिन मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार ने संविधान के नियम का गलत इस्तेमाल किया और अपने पद से इस्तीफा देकर आए गैर पार्टी विधायकों को मंत्री बना दिया. जबलपुर हाई कोर्ट ने याचिका में उठाए गए तर्कों को सुनने के बाद सभी 14 मंत्रियों, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यपाल, चुनाव आयोग और विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस जारी कर 14 दिसंबर तक जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं. गौरतलब है कि मध्यप्रदेश प्रदेश में 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव चुनाव की प्रक्रिया चल रही है.

दशहरे पर चीन बॉर्डर पर शस्त्र पूजा करेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। चीन की सीमा पर तैनात सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस दशहरे पर सिक्किम में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का दौरा करेंगे और वहां पूजन (शस्त्र पूजन) करेंगे. सेना के मुताबिक, रक्षा मंत्री 23-24 अक्टूबर को सिक्किम सेक्टर में एलएसी का दौरा करेंगे और वहीं शास्त्री पूजन करेंगे, सेना से जुड़े सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि अपनी एलएसी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कई रणनीतिक पुलों का उद्घाटन और शुभारंभ करेंगे, जो वहां बनाए गए हैं. रक्षा मंत्री ने पिछले साल फ्रांस में राफेल लड़ाकू विमान का शस्त्र पूजन किया था और

इस साल वह चीन सीमा पर ऐसा करेंगे. राजनाथ सिंह की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब भारत और चीन के बीच गतिरोध चल रहा है. एलएसी पर दोनों पक्षों की ओर से फायरिंग की घटना भी हो चुकी है और हिंसक झड़प में दोनों देशों के जवान अपनी जान गंवा चुके हैं. इस बीच बिहार में चुनावी रैली के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के आरोपों का जवाब दिया है. राजनाथ सिंह ने राहुल पर देश के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया है. राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग देशवासियों को गुमराह कर रहे हैं कि चीनी ने हमारी जमीन पर कब्जा किया, जो की गलत है.

एनसीपी में शामिल होंगे बीजेपी नेता एकनाथ खडसे

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा को लगा झटकाशुक्रवार को एनसीपी में शामिल होंगे एकनाथ खडसेराज्य सरकार में मंत्री ने किया दावा भारतीय जनता पार्टी को महाराष्ट्र में बड़ा झटका लगा है. पार्टी के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे शुक्रवार को एनसीपी में शामिल होंगे. भाजपा की ओर से भी एकनाथ खडसे के इस्तीफे की पुष्टि कर दी गई है. बीजेपी ने एकनाथ खडसे को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं. राज्य सरकार में मंत्री जयंत पाटिल ने ये दावा किया है कि शुक्रवार को एकनाथ खडसे एनसीपी में शामिल होंगे. शुक्रवार दोपहर दो बजे एकनाथ खडसे एनसीपी की सदस्यता ले सकते हैं. पार्टी छोड़ने के फैसले पर एकनाथ खडसे ने कहा कि वो 23 तारीख को एनसीपी ज्वाइन करेंगे. जो मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, उसमें कुछ साबित नहीं हुआ. मुझे एक नेता के द्वारा परेशान किया गया, लेकिन पार्टी में मुझे न्याय नहीं मिला. ऐसा माना जा रहा है कि एनसीपी नेताओं और एकनाथ खडसे के बीच पिछले कुछ दिनों से बात चल रही थी. ऐसे में वो उद्धव ठाकरे सरकार में किसी मंत्री पद को भी संभाल सकते हैं. एकनाथ खडसे की नज़र कृषि मंत्रालय पर है, जो अभी शिवसेना के पास ही है.

पिछले कई महीनों से इस बात का कयास लगाया जा रहा था कि एकनाथ खडसे पार्टी छोड़ सकते हैं. क्योंकि पार्टी में उन्हें साइडलाइन किया जा रहा है. रविवार को ये बात सामने आई थी कि एकनाथ खडसे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने इन दावों को गलत बताया था और कहा था कि वो ऐसा नहीं करेंगे. इसी उथलपुथल के बीच एनसीपी नेता शरद पवार का बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि एकनाथ खडसे का महाराष्ट्र में भाजपा को खड़ा करने में अहम योगदान रहा है. ऐसे में अब उन्हें पार्टी में किनारे किया जा रहा है, जो ठीक नहीं है. आपको बता दें कि साल 2015 में भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद एकनाथ खडसे ने देवेंद्र फडणवीस की सरकार से इस्तीफा दिया था. उसी के बाद से ही खडसे का राजनीतिक करियर ढलान पर रहा है. एकनाथ खडसे के समर्थकों का कहना है कि देवेंद्र फडणवीस के कारण ही उन्हें किनारे किया जा रहा है. इसी के बाद 2019 के विधानसभा चुनाव में एकनाथ खडसे को टिकट नहीं मिला था, जिसके बाद उन्होंने देवेंद्र फडणवीस पर सीधा हमला बोलना शुरू किया. हालांकि, उनकी बेटी रोहिणी को टिकट मिला था, जो कि चुनाव हार गई थीं. इसके अलावा एकनाथ खडसे के इलाके जलगांव में अब गिरीश महाजन को पार्टी महत्व दे रही है जो कि देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाते हैं.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज़ चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

अचानक आग लगने से करीब एक लाख का सामान हुआ खाक

अनिल पाराशर पुष्पांजलि

अटेर। मनेपुरा सुरपुरा थाने क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम मनेपुरा में अचानक आग का मामला सामने आया है।जिसमे पुलिस जांच कर रही है कि आग लगी तो लगी केसे?जानकारी समक्ष आपको बता दे की आग लगी वैसे ही वहा पर कोई मोजुदगी स्थिति में नहीं मिला।जिस प्रकार आग केसे लगी ये पता नहीं चल पा रहा है।श्री अरविन्द कटारे पुत्र श्री विशेश्वर दयाल कटारे के द्वार पर एक गेहूं के भूसे का कूप है।जिसमे करीबन 50 कुंटल भूस जलकर राख हो गया ।ओर द्वार पर ही तीन मोटर साइकल जलने की सूचना सामने आई है जिसमे एक पल्सर,हीरो होंडा, सुज्की,तीन मोटरसाईकल जलकर खाक हो गई जिनकी कीमत करीबन 2लाख रुपए बताई गई है।जो न्यू वाहन के रूप में उनके द्वार पर खड़ी थी।क्या गरीब किसान इतनानुकसान झेल सकता है।जो इतनी बड़ी लापरवाही होने के बाद भी सामने नहीं आई की कोन था आग लगाने वाला?

देरी से फायर ग्रेट वहां पर पहुंची हुआ ओर अधिक नुकसान–समस्त ग्रामवासियों का कहना है। कि हमारे द्वारा 100 डायल को सूचना देने पर भी फायर हमारे यहां तब आई की जब समस्त ग्राम वासियों ने मिलकर आग बुझा ली अगर हम सभी ग्राम वासी एकत्रित नहीं होते तो शायद हमारे घर की जुपड़ियो में भी आग लग सकती थी ओर हम लोग अधिक से अधिक खट्टे होने से आग बुझा सके।

मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के लिये कमिश्नर ने दल गठित किये

मुरैना। विधानसभा उपनिर्वाचन 2020 के दौरान कोविड-19 की गाइडलाईन का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आरके मिश्रा ने चंबल संभाग के मुरैना जिले की पांचों और भिण्ड जिले की दो विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण के लिये 7 संभाग स्तरीय अधिकारी नियुक्त किये है। इनके सहयोग के लिये दो-दो अधिकारी प्रथक लगाये गये है। इनमें विधानसभा क्षेत्र 04 जौरा के लिये जलसंसाधन विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री बीके गर्ग को नियुक्त किया है। इनके सहयोग के लिये आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधुसूदन शर्मा, डॉ. राजेश सिंह पटेल रहेंगे। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 05 सुमावली के लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक श्री डी.के. सिद्धार्थ को नियुक्त किया है।

सीसी रोड का उद्घाटन किया गया

पाली. नेनाराम सिरडवी.राजस्थान पंचायत राज विभाग ग्रामीण स्तर पर ग्राम पंचायत द्वारा किए गए विकास के योजना के कार्यो को लेकर पाली लोक सभा सांसद पीपी चौधरी सुमेरपुर विधानसभा के विधायक जोराराम कुमावत द्वारा पाली पंचायत समिति के अंतर्गत ग्राम पंचायत.टेवाली. ने उद्घाटन किया गया. ग्राम पंचायत सरपंच जोगा राम कुमावत द्वारा बताया गया कि ह्यद्ध1. योजना के तहत जिला परिषद मंद से निर्मित सार्वजनिक सिरसी रोड मय नाली निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया.पाली लोकसभा क्षेत्र के लाडले सांसद पीपी चौधरी सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के लाडले विधायक जोराराम कुमावत कर कमलों द्वारा लोकार्पण किया गया. सरपंच जोगाराम कुमावत के नेतृत्व के शुरुआती दौर में विकास की योजना के कार्यो की शुरुआत तेज गति से की गई. अपने प्रथम चरण के शुरुआती दौर में सीसी रोड मुख्य नाला श्मशान घाट आदि सहित अनेक योजना के कार्यो की शुरुआत करके कार्य पूरे किए गए. सफल नेतृत्व के आधार पर सफल परिणाम के अनुसार ग्राम पंचायत.टेवाली. द्वारा विकास के योजना के कार्यो की शुरूआत तेज गति से की गई. ग्राम विकास अधिकारी शोभावती द्वारा बताया गया कि राजस्थान पंचायत राज विभाग के अधीन योजना की स्वीकृति के अनुसार कार्यो की शुरुआत तेज गति से करके तय समय के अनुसार पूरे किए गए.सुमेरपुर क्षेत्र के लाडले विधायक एवं पाली लोकसभा सांसद पीपी चौधरी का आज पाली का दौरा सफल कार्यों को लेकर रहा. पाली सांसद एवं सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक के साथ भाजपा के जाने-माने जनप्रतिनिधि जिला उपाध्यक्ष एवं भाजपा मंडल प्रभारी जैतारण एडवोकेट नारायण कुमावत पूर्व खोड मंडल अध्यक्ष एवं जिला प्रतिनिधि मुकेश सिरवी महावीर सिंह.टेवाली. खोड मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह.खरोखडा. उपस्थित रहे. पंचायत सरपंच जोगा राम कुमावत ग्राम विकास अधिकारी शोभावती उप सरपंच.केवाराम देवासी ग्राम पंचायत के वार्ड पंच पुनाराम सरगरा मनोज प्रजापत पुष्पा कवर शांति देवी कुमावत मोहन लाल सेन वीणा कुमावत अंशी देवी मीणा एवं संपूर्ण ग्रामवासी ग्राम पंचायत.टेवाली. के ग्राम वासी समारोह में मौजूद रहे

विद्यार्थियों को पुस्तकें व नोट बुक व अन्य सामग्री वितरण की गई

नारायणलाल सैणचा

बिलाडा –सीरवी ज्ञानकोष शिक्षा सेवा संस्था (रजि.) द्वारा संचालित शिक्षा सेवा एवं पुस्तकें वितरण कार्यक्रम- 2020 के अंतर्गत बीते कल विद्यार्थी मित्र संचालक दिनेश बर्फा और व्यवस्थापक माधव सिंह पंवार ने बिलाड़ा परगना के उचियारड़ा ग्राम जाकर कुल 3 विद्यार्थियों को पुस्तकें, नोटबुक्स और अन्य शिक्षा सामग्री वितरित की गई साथ ही छोटे बच्चों को स्लेट और वर्क बुक और अन्य आवश्यक सामग्री दी गई संस्था के व्यवस्थापक ने बताया कि जल्द ही सभी परगनाओं और पाली जिले के साथ देश के अन्य राज्यों में चयनित विद्यार्थियों को शिक्षा सेवा पहुंचाई जाएगी जिसका कार्य भी अंतिम चरण में हैं।। गौरतलब है कि संस्था की ओर से अबतक करीब 770 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका हैं इस दौरान संस्था के अर्जुन सिंह हाम्बड़, दिनेश बर्फा और माधव सिंह पंवार उपस्थित रहे।

पुलिस ने फ्लैग मार्च निकालकर दीया शांतिपूर्ण मतदान करने का संदेश

गोहद -उपचुनाव की तैयारियों के चलते गोहद चौराहा थाना प्रभारी गोपाल सिंह सिकरवार द्वारा भारी पुलिस बल के? साथ 3 नवंबर को होने वाले मतदान की तैयारियों के लिए पुलिस ने गोहद चौराहे पर फ्लैग मार्च निकाला चौराहा पुलिस ने नगर के प्रमुख मार्गों से फ्लैग मार्च निकालते हुए डांग,बिरखडी ,छीमका सर्वा मे फ्लैग मार्च निकालकर चुनावी तैयारियों से जनता और अपराधियों को सचेत किया

भोपाल विधायक आरिफ मसूद का आज गोहद मेहगांव विधानसभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

अनिल पाराशर पुष्पांजलि टुडे

मेहगांव गोहद विधान सभा मे भोपाल विधायक आरिफ मसूद का हुआ आगमन जिसमे गोहद के खितौली ग्राम तहसील मौ मेहगाब के मुख्य बाजारों के रास्ते होते हुए तहसील गोरमी में वाइक रैली का कारवां निकालते हुए कब्रस्तान बार्ड क्रमांक 12 में एक नुक्कड़ सभा को भी संबोधित किया जिसमें मुख्य अतिथि मो आरिफ मसूद विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीरा कटारे विधानसभा महिला प्रभारी श्रीमती कल्पना मिश्रा आदि काँग्रेश पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।भारतीय जनता पार्टी पर जमकर बरसे मो,आरिफ मशुद शिवराज सिंह चौहान पर निशाना लगाते हुए कहा कमल नाथ जी की बात पर इतना तूल पकड़ रही बीजेपी सरकार जब कि शिवराज सरकार ने तो महिलाओ से शराब विकवाने का काम किया है ।जो कि बहुत ही निंदनीय है । प्रदेश सरकार में काँग्रेश पार्टी की लहर है आने बाले चुनाव में जनता जबाब देगी काँग्रेश पार्टी के प्रत्याशी मेहगांव से हेमन्त कटारे के लिए वोट की अपील भी की आरिफ मशुद ने कहा मेहगाब को विकाश के नाम पर ठगा जा रहा है ।जिस कारण यहाँ विकाश नही हो पाया है ।काँग्रेश पार्टी को एक विधायक ओपीएस भदौरिया मिले थे जिन्होंने भ्रस्टाचार के आगे घुटने टेक दिए और जनता के साथ छल कर अन्य पार्टी में शामिल हो गए । इस लिए अब उपचुनाव में जनता को जबाव देना होगा ।जिसके लिए में आप के यहाँ काँग्रेश प्रत्याशी हेमंत सत्यदेवर कटारे को आप अपना आशीर्वाद अवश्य दे जिससे आप के लिए हम विकाश की लड़ाई साथ साथ लड़ सके ।

परियोजना अधिकारी द्वारा कराहल सेक्टर बरगंवा आंगनबाड़ी का निरिक्षण किया गया

श्योपुर। परियोजना अधिकारी कराहल के द्वारा सेक्टर बरगवां के आंगन वाडी केंद्र बरगवां ए, बी ,सी, ओर डी का निरीक्षण किया गया जहाँ पर बच्चो का वजन व लंबाई ओर ऊँचाई ली गयी एवम उनका कार्यकर्ता के रिकॉर्ड से क्रॉस चेकिंग की गई आंगनबाड़ी केंद्रों पर रिकॉर्ड चेक किया गया एवम जिन केंद्रों पर रिकॉर्ड पूर्ण नही था उनको 3 दिवस में रिकॉर्ड पूर्ण करने के लिए बोला गया गर्भवती माताओ को द्वद्धड्ड टेबलेट का सेवन हेतु समझाईस दी गयी साथ ही लाडली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना की जानकारी ली गई अति कम वजन के बच्चो को नियमित आयरन मल्टीविटामिन के सेवन कराने एवं श्रेणी सुधार हेतु परिजनो को समजाइस दी गई एवं पूर्व में एनआरसी में भर्ती किये बच्चों का स्वास्थ्य की मोनिटरिंग कीगयी एवम कार्यकर्ताओ को सही मोनिटरिंग करने हेतु निर्देश दिए गए एवम साथ मे पर्यवेक्षक रेखा अग्रवाल व ग्रोथ मोनिटर मनोज शर्मा उपस्थित रहे!!

स्वीप के तहत सुमावली विधानसभा क्षेत्र में मानव श्रृंखला बनाकर ली मतदान की शपथ

मुरैना। विधानसभा उप निर्वाचन 2020 के उपलक्ष्य में सुमावली विधानसभा क्षेत्र 05 के मुख्यालय ग्राम पंचायत सुमावली में स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा के निर्देशन में एवं जिला पंचायत के सीईओ श्री तरुण भटनागर के मार्गदर्शन में 250 मतदाताओं ने मास्क लगाकर एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मंगलवार को सुमावली विधानसभा का मैप बनाते हुए मानव श्रृंखला का निर्माण किया। जनपद सीईओ जौरा श्री गिर्राज शर्मा ने सभी मतदाताओं को निर्वाचन की शपथ दिलाई एवं सभी को शतप्रतिशत मत डालने की अपील की।

आगामी दीपावली त्यौहार पर अस्थाई आतिशबाजी विक्रय के लिये स्थान निर्धारित

मुरैना। विस्फोटक नियम 2008 के नियम 84 के अन्तर्गत सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को उनके क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत प्रस्तावित स्थलों पर आगामी दीपावली त्यौहार पर 25 अक्टूबर से 15 नवम्बर 2020 तक की अवधि के लिये अस्थाई आतिशबाजी विक्रय लायसेंस (50 कि.ग्रा. तक) जारी करने के लिये अधिकृत किया जाता है साथ ही आतिशबाजी विक्रय के लिये स्थल निर्धारित किये गये है। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने एक आदेश जारी कर कहा है कि मुरैना शहर के आतिशबाजी विक्रय के लिये मेला ग्राउण्ड, बानमौर में वर्ष 2019 में संशोधित स्थल वार्ड क्रमांक 7 पानी की टंकी के पास खुली जमीन पर, जौरा में ग्राम अलापुर के सर्वे क्रमांक 811/3 मेला का मैदान, अंबाह में पचासा मैदान अंबाह, पोरसा में थाना परिसर पोरसा के पीछे रिक्त स्थल पर, सबलगढ़ में नेहरू महाविद्यालय पानी की टंकी के पास और कैलारस में शंकर कारखाना कैलारस प्रांगण का चयन किया गया है। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारियों को विस्फोटक नियम 2008 के नियम 84 में दिये गये निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराते हुये कहा है कि अनुज्ञप्तिधारियों को दुकान का आवंटन लाटरी सिस्टम से किया जाये। आतिशबाजी की अस्थाई दुकानों के अभिन्यास इस प्रकार बनाये कि प्रत्येक दो दुकानों के बीच 3 मीटर खाली स्थान रहे। दो दुकानों के बीच विभाजन के लिये केवल लोहे की शीट का ही उपयोग किया जाये। आतिशबाजी को सुरक्षित एवं अज्वलनशील सामग्री से बने शेड में रखा जाये।

निवृतमान अपर कलेक्टर को दी भावभीनी विदाई

श्योपुर, ब्यूरो रिपोर्ट

राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनीक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना होने पर जारी आदेश के अनुसार श्योपुर अपर कलेक्टर एसआर नायर को अपर कलेक्टर नीचम बनाया गया है। इस आदेश के क्रम में उनको आज कलेक्टेट कार्यालय श्योपुर के सभागार में सभी विभागो के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय, जिला पंचायत के सीईओ राजेश शुक्ल, एसडीएम श्योपुर रूपेश उपाध्याय, कराहल बिजेन्द्र सिंह यादव, डीपीओ महिला बाल विकास ओपी पाण्डेय, सहायक संचालक ओबीसी निकिता तामरे, कार्यपालन यंत्री पीआईयू विपिन सोनकर, जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी रिशु सुमन, एसएलआर नाथूराम सखवार, तहसीलदार श्योपुर राघवेन्द्र सिंह कुशवाह, बडौदा भरत नायक, नायब तहसीलदार रजनी बघेल, सीएमओ मिनी अग्रवाल, कलेक्टर कार्यालय के ओएस दिलीप बंसल, सहित एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। निवृतमान अपर कलेक्टर एसआर नायर ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि श्योपुर जिले में मुझे प्रमोशन मिला। साथ ही चंबल संभाग का सबसे शांत और सुन्दर जिला है। यहां पर मेरी पदस्थापना संयुक्त कलेक्टर के रूप में हुई थी। इस जिले में मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा। श्योपुर जिले की पदस्थी के दौरान हमनें कोरोना के संकटकाल में माईग्रेट लेबर को उनके जिलो में पहुंचाने का कार्य किया। साथ ही उपार्जन के कार्य को भी कुशलता से अपनी टीम के साथ अच्छे ढंग से किया। साथ ही उन्होने कहा कि उपार्जन और कोरोना संकटकाल में अच्छी तरह कार्य करने की प्रेरणा कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के सहयोग से ही संभव हो सकी। उन्होने कहा कि उनकी 38 साल की नौकरी में श्योपुर में कार्य करना उनके एक अच्छा अनुभव है। श्योपुर में कार्य के दौरान किसी कर्मचारी को डाटने की कभी आवश्यकता नही पडी। उन्होने कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव सरल और सहज स्वभाव के व्यक्ति है। किसी भी कार्य को आसानी से सरलतापूर्वक करते है। उन्होने एसपी सम्पत उपाध्याय के बारे में बताया कि वे शांतिप्रिय तरीके से कार्य करते है। कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एडीएम एसआर नायर से उनके संपर्क 2004 से रायसेन जिले है। उन्होने वैश्विक महामारी कोविड-19 एवं उपार्जन कार्य को काफी अच्छे से संभाला एसआर नायर किसी भी कार्य को दृढता से करते है। जिले को गति देने में उनका कार्य सराहनीय रहा है। मैं उनके कार्यकाल में कलेक्टेट के कार्य से निश्चित था। उनका स्थानांतरण नीमच जिले के लिए लाभ है। उनका जाना श्योपुर जिले के लिए हानि है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे सदैव स्वस्थ्य और प्रशन्न रहे। और आने वाले समय में और अधिक प्रगति करे। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अपर कलेक्टर एसआर नायर ने श्योपुर पदस्थी के दौरान उपार्जन कार्य के दौरान गेहू खरीदी के भार को अच्छी तरह संभाला। वे किसी भी कार्य को स्पष्टता से करते है। कोरोना संकटकाल में भी उन्होने नागरिको को पास देने के कार्य को भी बेहतर ढंग से किया। कोरोना संक्रमित होने के दौरान भी वे बडी हिम्मत के साथ योद्धा की तरह कोरोना से लडे और जीते। उनका भविष्य में शासकीय कार्य अच्छा रहे। और व्यक्तिगत जीवन में खुशहाली बनी रहे। यही मेरी शुभकामनाएं है। सीईओ जिलां पचायत राजेश शुक्ल ने विदाई के अवसर पर कहा कि अपर कलेक्टर एसआर नायर का अनुभव निश्चित ही श्योपुर के काम आया। उन्होने एक अच्छे योद्धा की तरह कार्य किया। मैं ईश्वर से कामना करता हूँ कि वे शानदार तरीके से अपना जीवन जीये। उनको बहुत-बहुत शुभकामनाए। विदाई समारोह में एसडीएम रूपेश उपाध्याय, कराहल बिजेन्द्र सिहं यादव, सहायक संचालक निकिता तामरे, तहसीलदार राघवेन्द्र सिंह कुशवाह, बडौदा भरत नायक, नायब तहसीलदार रजनी बघेल, सीएमओ मिनी अग्रवाल, कलेक्टर कार्यालय के ओएस दिलीप बंसल, कलेक्टर कार्यालय के रीडर तपिश वर्मा ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। विदाई समारोह का संचालन खाद्य विभाग के तनवीर आलम एवं अतं में डिप्टी कलेक्टर बिजेन्द्र सिहं यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। विदाई समारोह में निवृतमान अपर कलेक्टर एसआर नायर को स्मृति चिन्ह के रूप के लकडी का रथ प्रदान कर भावभीनी विदाई दी।

शिवराज के कैबिनेट से मंत्री तुलसीराम सिलावट ने दिया इस्तीफा

भोपाल। मध्यप्रदेश के जल संसाधन और मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया है। सिलावट ने 20 अक्टूबर की तिथि में लिखा अपना त्यागपत्र मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भेज दिया है। त्यागपत्र में श्री सिलावट ने स्वेच्छा से मंत्री पद छोड़ने की बात का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया है कि त्यागपत्र 20 अक्टूबर की अपरान्ह से स्वीकार किया जाए। त्यागपत्र बुधवार को मीडिया के समक्ष आया। दरअसल सिलावट वर्तमान में विधायक नहीं हैं। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार कोई भी व्यक्ति विधायक बने बगैर अधिक छह माह के लिए मंत्री पद पर रह सकता है। वे छह माह पहले शिवराज सिंह चौहान मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शामिल हुए थे। सिलावट वर्तमान में इंदौर जिले की सांवेर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में हैं। उनका मुख्य मुकाबला कांग्रेस के प्रेमचंद गुड्डू से है। राज्य में सभी 28 सीटों के साथ सांवेर में भी मतदान तीन नवंबर को होगा और नतीजे 10 नवंबर को सामने आएंगे। सिलावट वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में सांवेर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे। इसके बाद वे तत्कालीन कमलनाथ सरकार में मंत्री बने थे। राज्य में इस वर्ष के राजनैतिक घटनाक्रमों के चलते सिलावट ने मार्च माह में विधायक पद से त्यागपत्र देकर श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नक्शेकदम पर चलते हुए भाजपा का दामन थाम लिया था। मार्च माह में ही राज्य में सत्ता बदली और भाजपा सरकार के गठन के साथ ही शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने। इसके बाद अप्रैल माह में श्री चौहान ने सिलावट को मंत्री बनाया था।

कमलनाथ पर शिवराज का एक और हमला कहा- उन्होंने राहुल गांधी की बात कभी नहीं सुनी

भोपाल। कांग्रेस नेता कमलनाथ के आइटम वाले बयान पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लगतार हमलावर हैं। शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बात कभी नहीं सुनी। बता दें कि शिवराज सिंह सरकार में मंत्री इमरती देवी के संदर्भ में कमलनाथ ने आइटम शब्द का प्रयोग किया था, जिसके बाद से मध्य प्रदेश की सियासत में बवाल जारी है। कमलनाथ की आइटम टिप्पणी पर समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राहुल गांधी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, जबकि कमलनाथ जी कह रहे हैं कि यह उनकी राय है। वो नेता की बात का ध्यान नहीं दे रहे हैं। यह अनुशासनहीनता है। मैं समझ नहीं सकता कि अब कांग्रेस कार्यकर्ता किसकी बात को सुनेंगे, राहुल जी या कमलनाथ जी?

शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा कि कमलनाथ ने राहुल गांधी से वादा किया था कि 10 दिनों के भीतर किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा, लेकिन उन्होंने उसे पूरा नहीं किया। शिवराज ने कहा, उन्होंने राहुल गांधी की कभी नहीं सुनी। कमलनाथ जी ने उनसे कहा कि 10 दिनों के भीतर किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। यह वादा पत्र में कहा गया था कि 4000 रुपये का बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा बेरोजगार युवाओं को लेकिन यह भी नहीं दिया गया था।

उन्होंने उनकी बात कब सुनी है? उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो गई है कि दिल के हजार टुकड़े इधर-उधर गिर गए। अब कौन सा टुकड़ा राहुल जी के पास जाता है, कौन सा टुकड़ा कमलनाथ के पास जाता है, कोई नहीं जानता। इससे पहले मंगलवार को दिन में राहुल गांधी द्वारा भाजपा नेता इमरती देवी के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री की टिप्पणी की निंदा करने के बाद भी कमलनाथ ने माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही उस संदर्भ को स्पष्ट कर दिया है जिसमें उन्होंने यह बयान दिया था। उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी का विचार है। मैंने स्पष्ट कर दिया है कि मैंने किस संदर्भ में अपना बयान दिया। जब मैंने किसी को इरादतन अपमान किया ही नहीं तो मैं माफी क्यों मांगूं? अगर किसी को अपमान महसूस होता है तो मैंने पहले ही अपना रिग्रेट जाहिर कर दिया है।

कमलनाथ ने क्या कहा था- सुरेश राजे जी हमारे उम्मीदवार हैं... ये उसके जैसे नहीं हैं...क्या है उसका नाम.... मैं क्या उसका नाम लूं?...आपको तो मुझे पहले ही सावधान करना चाहिए था.... ये क्या आइटम है....। कमलनाथ ने यह हिंदी में ही कहा, जबकि भीड़ इमरती देवी का नाम ले रही थी।

नैतिक मतदान हेतु प्रेरित करने चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

रायसेन। सांची विधानसभा उपचुनाव में अधिक से अधिक मतदाताओं को वोट डालने हेतु प्रेरित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव के निर्देशानुसार जागरूकता रैली, दीवार लेखन, रंगोली, स्लोगन, निबंध लेखन सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। मतदाताओं को उनके मताधिकार का महत्व बताते हुए समझाईश दी जा रही है कि संविधान द्वारा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके प्रत्येक नागरिक को वोट डालने का अधिकार दिया गया है। मतदान अधिकार ही नहीं कर्तव्य भी है और सशक्त लोकतंत्र के लिए सभी की सहभागिता जरूरी है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में नागरिकों को भारतीय लोकतंत्र की सफलता के लिए विधानसभा उपचुनाव में स्वतंत्र, निष्पक्ष, नैतिक, प्रलोभन रहित मतदान करने और अपने परिवार के 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी सदस्यों, आसपास रहने वाले मतदाताओं, मित्र, परिजनों को निष्पक्ष एवं नैतिक मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी दिलाया जा रहा है।

शिवराज के मंत्री का बयान- मदरसों में तैयार किए जाते हैं आतंकवादी, बंद किया जाए सरकारी अनुदान

इंदौर। मध्य प्रदेश की मंत्री उषा ठाकुर ने मंगलवार आरोप लगाया कि मदरसे जम्मू-कश्मीर को आतंकवादियों की फैक्टरी बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश में मदरसों को सरकार से कोई भी सुविधा नहीं मिलनी चाहिए। मध्य प्रदेश की संस्कृति मंत्री और इंदौर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक विधायक उषा ठाकुर ने कहा, सभी आतंकवादी मदरसों में तैयार किए जाते हैं, जिन्होंने जम्मू और कश्मीर को एक आतंकवादी कारखाने में बदल दिया। मदरसे, राष्ट्रवाद का पालन नहीं कर सकते। उन्हें समाज की पूर्ण प्रगति सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा शिक्षा प्रणाली के साथ मिला दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, असम ने इसे सफलता के साथ कर दिखाया है। जो संस्थान राष्ट्रवाद के रास्ते में बाधा पैदा कर रहे हैं, उन्हें राष्ट्रहित में बंद करना होगा। पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री उषा ठाकुर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह मदरसों को सरकारी अनुदान देना बंद करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, वक्फ बोर्ड संविधान की भावना से धार्मिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत क्षमता में इस तरह के संस्थानों को चलाने के लिए काफी मजबूत है। मदरसों को सरकारी सहायता समाप्त करने की जरूरत है। उषा ठाकुर ने सभी धर्मों के बच्चों को सामान्य शिक्षा देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि धर्म आधारित शिक्षा समाज में कट्टरवाद और घृणा को बढ़ावा देती है।

नैतिक मतदान हेतु प्रेरित करने चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

रायसेन। सांची विधानसभा उपचुनाव में अधिक से अधिक मतदाताओं को वोट डालने हेतु प्रेरित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव के निर्देशानुसार जागरूकता रैली, दीवार लेखन, रंगोली, स्लोगन, निबंध लेखन सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। मतदाताओं को उनके मताधिकार का महत्व बताते हुए समझाईश दी जा रही है कि संविधान द्वारा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके प्रत्येक नागरिक को वोट डालने का अधिकार दिया गया है। मतदान अधिकार ही नहीं कर्तव्य भी है और सशक्त लोकतंत्र के लिए सभी की सहभागिता जरूरी है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में नागरिकों को भारतीय लोकतंत्र की सफलता के लिए विधानसभा उपचुनाव में स्वतंत्र, निष्पक्ष, नैतिक, प्रलोभन रहित मतदान करने और अपने परिवार के 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी सदस्यों, आसपास रहने वाले मतदाताओं, मित्र, परिजनों को निष्पक्ष एवं नैतिक मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी दिलाया जा रहा है।

आमजन वेबसाईट पर देख सकेंगे अभ्यर्थी के व्यय लेखे की जानकारी

रायसेन। विधानसभा उपचुनाव 2020 निर्वाचन व्यय निगरानी के अंतर्गत उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र द्वारा सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रिटर्निंग अधिकारियों को प्रत्येक अभ्यर्थी के दिन प्रतिदिन व्यय के लेखा रजिस्टर का निरीक्षण किए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। अभ्यर्थियों के व्यय लेखा रजिस्टर की स्कैनिंग करते हुए आमजन की जानकारी के लिए सीईओ/डीईओ की वेबसाईट पर अपलोड किए जाने के संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन व्यय निगरानी के निर्देशों के तहत उपचुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी द्वारा अपने निर्वाचन व्यय के लेखे का अपने निर्धारित रजिस्टर में दिन-प्रतिदिन के आधार पर रखरखाव करना आवश्यक है। इस रजिस्टर को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्धाश्रत दिनांकों में निरीक्षण के लिए समर्थक दस्तावेजों सहित निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त निर्वाचक प्रेक्षकों या आयोग द्वारा नामित प्राधिकारी को उपलब्ध कराना होगा। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी द्वारा समर्थक दस्तावेजों सहित रजिस्टर तीन दिन में एक बार निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराना होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचन प्रेक्षक निरीक्षण की एक अनुसूचित तैयार करेंगे जिसमें प्रत्येक अभ्यर्थी का लेखा प्रस्तुत करने का तीन दिन का च्रक्र इस तरह तैयार किए जाने के निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक दिन संबंधित अधिकारी को निर्वाचन लड़ने वाले एक या अधिक अभ्यर्थी का लेखा संवीक्षा करने के लिए उपलब्ध कराया जाए। प्रत्येक निरीक्षण के उपरांत रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय द्वारा निरीक्षण की तारीख तक दैनिक लेखा के रजिस्टर की स्कैनिंग करते हुए जनता की जानकारी के लिए सीईओ/डीईओ की वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

दो लाख प्राइमरी शिक्षकों जल्द मिलेगा सितंबर का वेतन, वित्त विभाग को भेजा प्रस्ताव

भोपाल। सितंबर की सैलरी का इंतजार कर रहे मध्य प्रदेश के 2 लाख प्राइमरी शिक्षकों को एक-दो दिन में वेतन मिलने की संभावना है। इसके लिए मंगलवार को बजट जारी हो सकता है। सोमवार देर रात तक डीईओ ऑफिस से लेकर संचालनालय लोक शिक्षण एवं मंत्रालय में इसके लिए कवायद चलती रही। स्कूल शिक्षा विभाग से इसके बजट के बारे में प्रस्ताव भी भेजा गया है। प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों में पदस्थ 2 कैडर के दो लाख शिक्षक जिनमें 50 हजार सहायक शिक्षक/ प्रधानाध्यापक प्राथमिक शाला एवं 1.50 लाख प्राथमिक शिक्षकों को सितंबर का वेतन नहीं मिला है। इनका एक माह का वेतन करीब 950 करोड़ होता है।

बजट जारी होने के बाद वेतन के हेड में संबंधित डीडीओ यानी वेतन आहरण अधिकारी कोषालय में अपने दफ्तरों से उस हेड में बिल लगाएंगे। इसके बाद कोषालयों से संबंधित शिक्षकों के खातों में वेतन ट्रांसफर किया जाएगा। इन दो लाख शिक्षकों में से भोपाल के 700 से ज्यादा स्कूलों के तीन हजार शिक्षक शामिल हैं। इनमें सहायक और प्राथमिक शिक्षक शामिल हैं। इनके वेतन के लिए ही 15 करोड़ रुपए की जरूरत होगी। वहीं, मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुभाष सक्सेना ने बताया कि दो दिन में वेतन नहीं मिला तो धरना दिया जाएगा। प्रशासन को धरने की अनुमति के लिए आवेदन दिया है।

अभ्यर्थी को तीन दिन में एक बार निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराना होगा व्यय लेखा रजिस्टर

आमजन वेबसाईट पर देख सकेंगे अभ्यर्थी के व्यय लेखे की जानकारी

रायसेन। विधानसभा उपचुनाव 2020 निर्वाचन व्यय निगरानी के अंतर्गत उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र द्वारा सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रिटर्निंग अधिकारियों को प्रत्येक अभ्यर्थी के दिन प्रतिदिन व्यय के लेखा रजिस्टर का निरीक्षण किए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। अभ्यर्थियों के व्यय लेखा रजिस्टर की स्कैनिंग करते हुए आमजन की जानकारी के लिए सीईओ/डीईओ की वेबसाईट पर अपलोड किए जाने के संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन व्यय निगरानी के निर्देशों के तहत उपचुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी द्वारा अपने निर्वाचन व्यय के लेखे का अपने निर्धारित रजिस्टर में दिन-प्रतिदिन के आधार पर रखरखाव करना आवश्यक है। इस रजिस्टर को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्धाश्रत दिनांकों में निरीक्षण के लिए समर्थक दस्तावेजों सहित निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त निर्वाचक प्रेक्षकों या आयोग द्वारा नामित प्राधिकारी को उपलब्ध कराना होगा। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी द्वारा समर्थक दस्तावेजों सहित रजिस्टर तीन दिन में एक बार निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराना होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचन प्रेक्षक निरीक्षण की एक अनुसूचित तैयार करेंगे जिसमें प्रत्येक अभ्यर्थी का लेखा प्रस्तुत करने का तीन दिन का च्रक्र इस तरह तैयार किए जाने के निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक दिन संबंधित अधिकारी को निर्वाचन लड़ने वाले एक या अधिक अभ्यर्थी का लेखा संवीक्षा करने के लिए उपलब्ध कराया जाए। प्रत्येक निरीक्षण के उपरांत रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय द्वारा निरीक्षण की तारीख तक दैनिक लेखा के रजिस्टर की स्कैनिंग करते हुए जनता की जानकारी के लिए सीईओ/डीईओ की वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

खेलते-खेलते कुएं में गिरा बच्चा, हालत नाजुक

ऊंचाहार (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धनेही गांव निवासी एक मासूम खेलते-खेलते कुएं में जा गिरा। परिजनों ने उसे कुएं से बाहर निकाला और इलाज के लिए सीएचसी ले गए। हालत नाजुक होने पर जिला चिकित्सालय रेफर गया है। नितिन कुमार यादव (7 वर्ष) पुत्र चंद्रभान यादव मंगलवार की देर शाम बच्चों के साथ दरवाजे पर बने पुराने कुएं के पास खेल रहा था। खेलते-खेलते अचानक वह कुएं में जा गिरा। दरवाजे पर बैठे परिजन बच्चे को कुएं में गिरता देख दौड़े और रस्सी के सहारे कुएं मे उतरकर उसे बाहर निकाला।

बोट बाइक घोटाले में पचास हजार का इनामी गिरफ्तार

लखनऊ। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एसटीएफ की मदद से बाइकबोट घोटाले में 50 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त ललित कुमार को मंगलवार को मेरठ के मवाना से गिरफ्तार कर लिया है। ईओडब्ल्यू के डीजी आरपी सिंह ने बताया कि ललित कुमार फरवरी में मेरठ, नोएडा, दिल्ली व बुलंदशहर में छिप कर रह रहा था। उसे एसटीएफ की मदद से मेरठ में ललित ने सुनियोजित तरीके से वर्ष 2018 में जानबूझ कर अपने नाम से 32 बाइक खरीदीं। इस पर उसे प्रतिमाह 3.12 लाख रिटर्न प्राप्त करने लगा। इससे आसपास के गांवों में चर्चा फैल गई कि यह स्कीम लाभकारी है। इसके बाद ललित कुमार ने संजय भाटी के साथ मिलकर एक सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र कर 3 करोड़ रुपये का प्रारंभिक टारगेट रखा। इसके लिए एक फार्च्यूनर गाड़ी खरीदी गई। जिससे आम लोगों में यह भ्रम फैल गया कि इस प्रकार वे भी पैसा कमा सकते हैं। ईओडब्ल्यू की विवेचना में सामने आया है कि साजिश के तहत ही नोएडा के एक प्रतिष्ठित होटल में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम रखा गया। इसी कार्यक्रम में संजय भाटी के जरिये एक फार्च्यूनर गाड़ी खुद को गिफ्ट कराई गई। कंपनी में जब बहुत अधिक संख्या में लोग जुटने लगे तो कंपनी ने पैसा देना बंद कर दिया। इनाम घोषित होने पर नोएडा पुलिस ने भी इसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी थी लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी केवल फार्च्युनर बरामद हुई थी।

आईपीएल सट्टेबाजी: फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

बहराइच। शहर के फ्रीगंज मोहल्ले के एक घर में छत की दूसरी मंजिल पर सोने गए युवक की लाश रस्सी के फंदे से लटकती मिली है। युवक के परिजनों में हाहाकार मच गया है। परिजनों के मुताबिक युवक आईपीएल सट्टेबाजों से परेशान था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दरगाह थाने के फ्रीगंज में 22 वर्षीय सतीश पुत्र लालजी मंगलवार की रात भोजन करने के बाद छत की दूसरी मंजिल पर सोने चला गया। रात में किसी सामान की जरूरत पड़ने पर परिवार के लोग छत पर गए, तो उनके होश उड़ गए।

आईपीएल सट्टेबाजी: फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

बहराइच। शहर के फ्रीगंज मोहल्ले के एक घर में छत की दूसरी मंजिल पर सोने गए युवक की लाश रस्सी के फंदे से लटकती मिली है। युवक के परिजनों में हाहाकार मच गया है। परिजनों के मुताबिक युवक आईपीएल सट्टेबाजों से परेशान था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दरगाह थाने के फ्रीगंज में 22 वर्षीय सतीश पुत्र लालजी मंगलवार की रात भोजन करने के बाद छत की दूसरी मंजिल पर सोने चला गया। रात में किसी सामान की जरूरत पड़ने पर परिवार के लोग छत पर गए, तो उनके होश उड़ गए। सतीश की लाश रस्सी के फंदे से छत के कुंडे से लटकती मिली। जिससे परिजनों में हाहाकार मच गया। परिजनों ने बताया कि युवक इन दिनों आईपीएल क्रिकेट में सट्टेबाजी के कुचक्र में फंस गया था। वह काफी धन गंवा चुका था। यही नहीं काफी धन सट्टेबाजों का उस पर बकाया हो गया था। जिसकी वजह से उसे अवसाद हो गया था। एसएचओ मधुप नाथ मिश्रा ने बताया कि कि परिजनों की ओर से ऐसी मौखिक शिकायत की गई है। कोई तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। रिपोर्ट आने पर स्थित स्पष्ट होगी।

भोपाल से 6 रूटों पर पूजा स्पेशल ट्रेन, हबीबगंज-रीवा के लिए एक और स्पेशल ट्रेन

भोपाल। त्योहारों को देखते हुए रेलवे लगातार ट्रेनों की संख्या बढ़ा रहा है। दीपावली के दौरान हबीबगंज से रीवा के बीच एक और स्पेशल ट्रेन चलेगी। बाकी अन्य 6 ट्रेनें अक्टूबर से नवंबर के बीच अलग-अलग तारीखों में चलेंगी। ये ट्रेनें छपरा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-छपरा, झांसी-पुणे-झांसी, गोरखपुर-पुणे-गोरखपुर के बीच चलेंगी।

ट्रेन नंबर 05101 छपरा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (साप्ताहिक) पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 20 अक्टूबर से 24 नवंबर तक प्रति मंगलवार को छपरा स्टेशन से रात 9.15 बजे चलकर तीसरे दिन गुरुवार सुबह 06.15 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 05102 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-छपरा (साप्ताहिक) पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 23 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रति शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से दोपहर 3.30 बजे चलकर तीसरे दिन रविवार को सुबह 4.40 बजे छपरा स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 04183 झांसी-पुणे साप्ताहिक पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 21 अक्टूबर से 25 नवंबर तक प्रति बुधवार को झांसी स्टेशन से दोपहर 12.50 बजे चलकर अगले दिन सुबह 9.15 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 04184 पुणे-झांसी पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 22 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रति गुरुवार को पुणे स्टेशन से दोपहर 3.15 बजे चलेगी और सुबह 9.35 बजे झांसी स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 05029 गोरखपुर-पुणे साप्ताहिक पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 22 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रति गुरुवार को गोरखपुर से शाम 5.25 बजे चलकर तीसरे दिन तडके 03.30 बजे पुणे पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 05030 पुणे-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 24 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रति शनिवार को पुणे से सुबह 11.15 बजे चलकर रात आठ बजे गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी। ये सभी ट्रेनें भोपाल होकर गुजरेंगी। इसके अलावा ट्रेन नंबर 02173 हबीबीगंज-रीवा पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 11 व 15 नवंबर को बुधवार व रविवार को हबीबगंज स्टेशन से सुबह 8.35 बजे चलकर शाम 6.5 बजे रीवा पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 02174 रीवा-हबीबीगंज पूजा स्पेशल एक्सप्रेस 11 से 15 नवंबर तक बुधवार एवं रविवार को रीवा स्टेशन से सुबह 10.25 बजे चलकर उसी दिन शाम 7.55 बजे हबीबगंज स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन भोपाल, विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों पर रुकेगी।

संपादकीय

सामुदायिक संक्रमण

भारत में केंद्र सरकार ने अंतत- कम्युनिटी ट्रांसमिशन को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया। सरकार का कहना है कि पूरे देश में नहीं, पर कुछ जिलों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्थिति है। वैसे यह विवाद पुराना है। जून की शुरुआत में ही दिल्ली में यह बात सामने आ गई थी कि कोरोना के 50 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में स्रोत का पता नहीं चल रहा है। दिल्ली सरकार ने तब एक तरह से कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसमिशन की घोषणा कर दी थी, लेकिन कायदे से यह काम केंद्र सरकार का है और केंद्र ने तब इससे इनकार कर दिया था। अब इस मोड़ पर आंशिक रूप से सामुदायिक संक्रमण को स्वीकार करने का कोई खास मतलब नहीं रह गया है। कोरोना का डर, खतरा भले ही थोड़ा कम हुआ है, लेकिन उसका फैलाव इतना बढ़ गया है कि ज्यादातर मामलों में स्रोत का पता लगाना अब आसान नहीं। अब कोई अगर यह माने कि संक्रमण केवल बाहर से आने वालों को या बाहर से आने वालों से हो रहा है, तो शायद स्वीकार करने में दिक्कत आएगी। दिल्ली सरकार के बाद केरल और हाल ही में पश्चिम बंगाल सरकार ने भी सामुदायिक संक्रमण को माना है, शायद इसी दबाव में केंद्र सरकार को भी आंशिक रूप से मानना पड़ा है। हालांकि इस सच को पूरी तरह से स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं। हां, यह सही है, देश के अनेक इलाकों में संक्रमण तेज नहीं है और लोग खतरा महसूस नहीं कर रहे हैं, न फिजिकल डिस्टेंसिंग की पालना हो रही है और न कोई मास्क पहन रहा है, लेकिन वैसे इलाकों में भी कभी न कभी कोरोना का कोई न कोई मामला पहुंचा ही है। किसी को भी यह लग सकता है, पूरे देश में कोरोना का कहर समान रूप से नहीं है, इसलिए संभव है, सामुदायिक संक्रमण की बात तकनीकी स्तर पर न मानी जाए। अव्वल तो अब सरकार या डॉक्टर भी कोरोना संक्रमण की शृंखला नहीं देख रहे। जिन इलाकों में ज्यादा मरीज हैं, वहां इस शृंखला की पड़ताल और उसे तोड़ने की कोशिश अब पहले जैसी नहीं हो रही है। एक समय था, जब कहीं एक भी मामला सामने आता था, तब उसकी शृंखला खोजी जाती थी। शृंखला खोजने की बाध्यता से हम शायद मई महीने में ही निकल आए। अनेक मंत्रियों और नेताओं की कोरोना की वजह से मौत हुई है या अनेक बीमार भी हुए हैं, पर शायद उनके मामले में भी कोरोना स्रोत या शृंखला की खोज नहीं हो रही है। ऐसे में, सामुदायिक संक्रमण की आंशिक घोषणा औपचारिकता मात्र है। वह न भी हो, तब भी इतिहास में यही लिखा जाएगा कि भारत में कोरोना महामारी फैली थी और अक्तूबर महीने तक ही 75 लाख से ज्यादा लोग कोविड-19 वायरस से संक्रमित हो गए थे। दुनिया के दूसरे देशों में भी इस बार सामुदायिक संक्रमण पर ज्यादा जोर न देते हुए वायरस के प्रसार को रोकने और इलाज तेज करने की कोशिश हुई है और भारत में भी यही हो रहा है। सरकारें अगर नहीं चाहतीं कि लोगों में कोई दहशत फैले, तो यह गलत भी नहीं है। सरकार के दूसरे कदमों से ही लोगों को महामारी की गंभीरता का अंदाजा लगाना चाहिए। कोरोना से बचने के दिशा-निर्देश एकदम स्पष्ट हैं। हर किसी को इतनी सावधानी तो सुनिश्चित करनी ही चाहिए कि किसी भी सूरत में कोरोना न हो और यह मानकर अपना बचाव करना चाहिए कि कोरोना कहीं भी हो सकता है।

इनकी सुध कौन लेगा

जयंतीलाल भंडारी

देह व्यापार एक सामाजिक व्याधि है, जिसका दोषी यौनकर्मी महिलाओं को ही ठहराना पूर्णतया अनुचित है। यह क्रय और विक्रय की वह प्रक्रिया है, जिसमें पुरुषों की भी समान भूमिका होती है। तो फिर यह घृणा सिर्फ स्त्री के हिस्से क्यों। अगर सामाजिक व्यवस्था प्रत्येक व्यक्ति को जीविकोपार्जन के संसाधन उपलब्ध कराने में सफल हो, तो क्यों महिलाएं अपने देह का व्यापार करेंगी। दुनिया के तमाम बड़े देशों के नेता आर्थिक मंदी की बात कर रहे हैं। देश का हर तबका इसकी चपेट में आ रहा है और विश्व भर की सरकारें अपने नागरिकों को इससे उबारने में सहायता भी कर रहीं हैं। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आर्थिक सहायता से लेकर राशन तक उपलब्ध कराने के प्रयास हो रहे हैं। पर भारत ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में एक वर्ग ऐसा भी है, जिसके प्रति किसी की सहानुभूति नहीं है।

उस वर्ग की सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि उसके पास अपनी पहचान का सबूत नहीं है। मानवाधिकारों की बात करने वाले भी उनकी चर्चा करने से हिचकते हैं। पर राहत का विषय है कि देश की उच्चतम अदालत ने उनकी पीड़ा को समझा है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि पहचान प्रमाण-पत्र पर जोर दिए बगैर यौनकर्मियों को मासिक सूखा राशन वितरण और नकद हस्तांतरण किया जाए। न्यायालय ने यह आदेश एक जनहित याचिका पर दिया, जिसमें महामारी के कारण यौनकर्मियों को हो रही कठिनाइयों को उजागर किया गया था।

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में 1.2 लाख यौनकर्मियों के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि महामारी की वजह से इनमें से छियानवे प्रतिशत अपनी आमदनी का जरिया खो चुकी हैं। बड़ी संख्या में यौनकर्मियों को आधार और राशन कार्ड जैसे पहचान-पत्र न होने के कारण राहत कार्यक्रमों से बाहर रखा गया है। इन्हें पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। यह कोताही उस आदेश की अवहेलना है, जो उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकारों को पहले दिया था। यौनकर्मियों के पुनर्वास और सशक्तिकरण की जांच करते हुए अदालत ने 2011 में नियुक्त पैनल की सिफारिशों के आधार पर सरकार को आदेश दिया था कि वे यौनकर्मियों को राशन कार्ड, मतदाता पहचान-पत्र और बैंक खातों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करें। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन का अनुमान है कि देश में लगभग नौ लाख से अधिक यौनकर्मी हैं।

इस व्यवसाय में संलग्न अधिकांश महिलाएं वे हैं, जिन्हें समाज की विपरीत परिस्थितियों ने इस दलदल में धकेला है, बावजूद इसके उनकी पीड़ा को समझने के बजाय हम उन्हें ही दोषी मानते हैं। हैरानी की बात है कि जिस व्यवसाय को इतनी घृणा से देखा जाता है उसे समाप्त करने के प्रयास शून्य हैं, क्योंकि इसमें यौनकर्मियों से कहीं अधिक लिप्तता उन लोगों की है, जो मानव तस्करी के ठेकेदार हैं। देह व्यापार का मकड़जाल इतना गहरा है कि वास्तविक गुनहगार, जो मानव तस्करी कर महिलाओं को इस ओर धकेल देते

हैं, वे मुक्त वातावरण में सांस लेते हैं, पर यौनकर्मी नारकीय जीवन जीने को विवश होती हैं। कलंक और घृणा के बीच उनका जीवन मुक्ति की राह चाह कर भी नहीं ढूंढ़ पाता है। ये महिलाएं आम महिलाओं की भांति अपने अधिकारों के लिए संघर्ष नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके भीतर यह भय सदा व्याप्त रहता है कि उनकी पहचान जाहिर न हो। क्या समाज की नैतिकता का ह्रास देह व्यापार के फलने-फूलने का कारण नहीं है?

भारत ही नहीं, विश्व के तमाम देशों में यौनकर्मियों को लेकर संकीर्ण मानसिकता व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देश भी इनके अधिकारों के संरक्षण के प्रति निराशाजनक रवैया रखते हैं। अमेरिका ने आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को मदद पहुंचाने के लिए मदद की पेशकश की है, जिसमें वे लोग ऋण ले सकते हैं जो छोटे-मोटे कारोबार में संलग्न हैं, पर इसमें वह तबका शामिल नहीं है, जिन्हें कथित सभ्य समाज यौनकर्मी कहता है। हफ पोस्ट के मुताबिक अमेरिकी सरकार यौन व्यवसाय से जुड़े किसी भी व्यक्ति को कोई ऋण नहीं देगी।

ब्रिटेन में यौन कर्मियों ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की, क्योंकि अधिकतर यौनकर्मी महिलाएं एकल माएं भी हैं और आर्थिक मंदी के इस दौर में प्रश्न सिर्फ उनके नहीं, उनके बच्चों के जीवन का भी है। लंदन में इंग्लिश कलेक्टिव ऑफ प्रॉस्टिट्यूट ने हजारों यौनकर्मियों को कर्मचारियों की तरह फायदा देने की मांग की है, पर क्या यह संभव है। प्रश्न है कि जो लोग इस क्षेत्र से जुड़े हैं अब उनकी मदद कौन करेगा।

देह व्यापार की समस्या दुनिया भर में एक जैसी है। बांग्लादेश में यों तो इस व्यवसाय को कानूनी मान्यता है, पर वहां भी उनकी स्थिति खराब हैं। द गार्डियन में पिछले दिनों प्रकाशित एक लेख में कहा गया कि लॉकडाउन की वजह से बांग्लादेश में एक लाख से ज्यादा महिलाएं बेघर हो गईं और भुखमरी के कगार पर पहुंच गईं। वहां की सरकार ने इनके लिए योजना बनाई है, पर वास्तविकता यह है कि वह इन महिलाओं तक पहुंच नहीं पा रही। सवाल है कि क्या वे हमारी दुनिया का हिस्सा नहीं हैं, क्या देह व्यापार में उतर जाने के बाद उनका मानवीय हक छीन लिया जाना ही सभ्य समाज का अधिकार है।

2010 में यौनकर्मियों की स्थिति सुधारने संबंधी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1976 में संशोधन की सिफारिशें देने के लिए एक समिति गठित की थी, ताकि यौनकर्मी संविधान के अनुच्छेद 21 के प्रावधानों के तहत गरिमा के साथ जीवन यापन कर सकें। गरिमा के साथ जीवन जीना तो दूर, महिला यौनकर्मी अपने रोजमर्रा के जीवन के संघर्ष को ही नियति मान चुकी हैं। पर इस निराशा भरे वातावरण में एक राहत की बात यह है कि मुंबई के कमाठीपुरा इलाके में रहने वाली यौनकर्मियों की बदतर स्थिति को न केवल समझा गया, बल्कि मानवोचित दृष्टिकोण रखते हुए महिला और बाल विकास के प्रभारी ने जुलाई माह में एक पत्र लिखकर कहा कि इन महिलाओं को कोविड-19 के दौरान आवश्यक सेवा मुहैया कराई जाए। पत्र में यह भी उल्लेख था कि लॉकडाउन की वजह से उन्हें काम भी नहीं मिल रहा, जिससे उनके और उनके परिवार वालों के सामने भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है, उनके लिए जिंदा रहना मुश्किल होता जा रहा है।

यह पत्र स्वयं में अलग इसलिए है कि शायद पहली बार किसी ने उनके कामों को मान्यता दी है और साथ ही उनके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण रखा है। हैरानी की बात है कि ह्यूमॉडलिंग द इफेक्ट आफ इंस्टीट्यूट क्लोजर आफ रेड लाइट एरियाज आन कोविड-19 ट्रांसमिशन इन इंडियाह्व अध्ययन में यह तो इंगित किया गया कि राष्ट्रव्यापी बंद के बाद भी अगर रेड लाइट एरिया को बंद रखा जाता है, तो भारतीयों को कोरोना वायरस होने का कम जोखिम रहेगा, पर किसी भी संस्था ने इस ओर ध्यान नहीं दिया कि इन क्षेत्रों में संलग्न महिलाएं अपना जीवन यापन कैसे करेंगीं?

देह व्यापार एक सामाजिक व्याधि है, जिसका दोषी यौनकर्मी महिलाओं को ही ठहराना पूर्णतया अनुचित है। यह क्रय और विक्रय की वह प्रक्रिया है, जिसमें पुरुषों की भी समान भूमिका होती है। तो फिर यह घृणा सिर्फ स्त्री के हिस्से क्यों। अगर सामाजिक व्यवस्था प्रत्येक व्यक्ति को जीविकोपार्जन के संसाधन उपलब्ध कराने में सफल हो, तो क्यों महिलाएं अपने देह का व्यापार करेंगी। पर समाज की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि वह समस्त समस्याओं का जिम्मेदार उसे ठहराता है, जो सबसे कमजोर हो और कमजोर की विवशता यह है कि वह चाह कर भी प्रतिकार नहीं कर पाता, क्योंकि पितृसत्तात्मक समाज उससे उसके जीवन जीने का अधिकार भी छीन सकता है। मानवीय दृष्टिकोण रखने वाली हर सरकार का प्रथम दायित्व है कि वह समाज में सबसे तिरस्कृत वर्ग को आश्रय दे और सम्मानित जीवन की राह पर लौटने का मार्ग प्रशस्त करे।

विलक्षण भानू

अपूर्व,अनुपम हे! दिवाकर
प्रकाश मुढिंत जीवन को देकर,
मानवता का मान बढ़ाकर
हे! विलक्षण भानू भास्कर।।
अर्पित कर यह जीवन सारा
घूम रहा है मुक्त गगन में,
करता उपकार नीत मनुज का
अपूर्व अनुपम हे! दिवाकर।।
मिटाकर यह रजनीचर को
करता श्रृंगारित इस धरती को,
देता है, प्रकाश मनुज को
अपूर्व अनुपम हे! दिवाकर।।
परोपकार में प्रवृत्त रहकर
करता सफल मानव जीवन,
धन्य हो तुम सौम्य भास्कर
अपूर्व अनुपम हे! दिवाकर।।

नाम- दिनेश प्रजापत दिन
गांव- मूली, जालोर (राज.)

अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो

बेटी बेटा दोनों बराबर
जो कहने का दम भरते हो
लोगों क्या तुम रोज़ाना का
अख़बार नहीं पढ़ते हो?
घर की वो लाडली बिटिया
लड़कों को पीछे छोड़ दिया
निभाती दो कुलों की लाज
वही कितनी विवश है आज
हिंसा, उत्पीड़न और बलात्कार
बस इनसे भरे दिखते अख़बार
जिन्हें नवरात्रि में देवी सम पूजें
उन्हीं से फिर करते हैं व्यभिचार
लाज न आती करते अत्याचार
सुनते नहीं चीख-पुकार गुहार
ये तो लगाते हैं ज़ोर से अट्टहास
दर्द का इनको क्या है एहसास
दिनदहाड़े बिटिया नोची जाती
गाजर मूली सम काट दी जाती
ऐसी न बनानी चाही थी दुनिया
रोज़ मरतीं जाने कितनी मुनिया
अब तो हे ईश्वर मेरी सुन लीजो
मुझ पर इतनी कृपा कर दीजो
या इनमें आदर का बीज बीजो
या अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो

नीलोफ़र (नीलू)
देहरादून

डरती थी दिल लगाने से

मेरी खातिर याफिर जमाने से,
मिलने आजा किसी बहाने से।
फूल लाये हैं आपकी खातिर,
हम भी अपने गरीब खाने से।
बुतपरस्ती का है इल्ज़ाम हमे,
तुमको अपना खुदा बनाने से।
कलियां बहार दिल का चमन,
आज महके हैं तेरे आने से।
पहले वादे हज़ार करता है,
फिर मुकरता है वो निभाने से।
वो भी डरता था पेशकदमी से,
मैं भी डरती थी दिल लगाने से।
अपनी रुबाइयों में लिखती हूँ,
जो न कह पाई उस दीवाने से।

अभिलाषा सिंह, वरिष्ठ कवयित्री व शिक्षिका
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

बिहार की नौ देवियों को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित करने का निर्णय

साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली ने बिहार इकाई के नौ साहित्यकारों को इस नवरात्रि के शुभ अवसर पर नारी शक्ति सम्मान देने का निर्णय लिया है। साहित्य संगम संस्थान ने यह सम्मान

दशहरा के दिन बिहार के नौ साहित्यकारों को ऑनलाइन प्रदान करेगी। बिहार के इतने साहित्यकारों में नौ देवियों का चयन काफी मुश्किल था, लेकिन संस्था के उच्च स्तरीय पद पर विद्यमान राजवीर मंत्र, महेंद्र सिसोद्धिया, कुमार रोहित राज, मिथिलेश सिंह मिलिंद, स्नेहलता द्विवेदी आर्या सभी ने मिलकर साहित्य क्षेत्र में अहम योगदान देकर अपना परचम लहरा रही इन देवियों को नारी शक्ति सम्मान के लिए चुना। बिहार भागलपुर से ÷निक्की शर्मा रश्मि÷ साहित्य के साथ-साथ समाजसेवा से भी जुड़ी हैं वहीं ज्योति सिन्हा (मुजफ्फरपुर) (सिवान) से रुचिका राय, मृदुला श्रीवास्तव (मुजफ्फरपुर) निरुपमा (बेगूसराय) ज्योति कुमारी (रामगढ़) डॉक्टर श्वेता (पटना) अभिलाषा आभा (पटना) विभा राय (पूर्णिया) को ÷नारी शक्ति सम्मान÷ से सम्मानित किया जाएगा। ÷साहित्य संगम संस्थान÷ ने साहित्य के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। नारी शक्ति सम्मान देना एक और अच्छी पहल है। सभी सम्मानित देवियों ने यह सम्मान की खबर पाकर खुशी जाहिर करते हुए साहित्य संगम संस्थान का आभार प्रकट किया है और अपनी खुशी जताई है।साहित्य संगम संस्थान बिहार इकाई की अध्यक्षा स्नेहलता द्विवेदी ने सभी को शुभकामनाएं दी।

निक्की शर्मा रश्मि भागलपुर बिहार

अमन की बयार

मुसलसल नहीं रहता अंधेरा भोर की पहली रश्मि संग छंटता ही है,
खिलते है चमन भी दोबारा पतझड़ का मौसम कहाँ ताउम्र ठहरता है।
चलो ना आज बदले हम सब भी फ़ितरत अपनी, दिल के गुल्क में
खनखन भरकर अपनेपन की बहा दे दुन्यवी दरिया में, नफ़रतों के
झरने में दो बूँद प्रेम की मिला दें।
चाहत की बारिश के होते ही गुलों का खिलना भी बनता है,
ना ठहरो उस कंटीली राहों पर जहाँ रुसवाई का मौसम बहता है।
कदम बढ़ाओ छोड़ो यार जाने दो की चाह पर अपनेपन की खुशबू से तय हर शै का महकना है,
क्यूँ दिल में पाले नफ़रत का ज़हर जब जहाँ से खाली हाथ ही जाना है।
द्वेष को जलाकर अमन की बयार भरकर सौहार्द भाव से हरीभरी रखे चलो दिल की बगिया,
जब इसी सरजमीं पर हम सबका बसेरा है। **(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)प्रभावु**

बेटे बेटियों में फर्क

लगातार आये दिन समाज में बेटे बेटियों में फर्क देखने को सामने आ रहा है।पर इसके प्रति कोई भी ठोस कदम उठाने को तैयार नही जबकि जिस कोख से भाई जन्म लेता है उसी कोख से बहिन जन्म लेती है फिर इतना फर्क क्यों ? क्यों एक बहन को गैर समझा जाता है..? उसे धन-दौलत,प्रॉपर्टी के चक्कर में ज़िंदगी भर उसके स्वाभिमान को ठेस पहुँचाई जाती है। अगर कोई बहिन मजबूर होकर अपने माँ बाप के घर रहती है तो उसे बोझ कहा जाता है तरह तरह की बाते बनाई जाती हैं पर वो किसी भाई पर बोझ नहीं।क्योंकि जितना उनका हक है उतना एक बहिन को हक क्यों नहीं..? गंद हीन सोच रखने वाले लोग की बहिन प्रॉपर्टी में उनका हिस्सा कम न करदे ऐसी सोच रखने वाले लोग जो अपनी बहन को सही रास्ता नहीं दिखा सकते फिर ऐसे भाई दहेज रक्षा बंधन जैसे त्यौहार बनाने का ड्रामा क्यों करते हैं। क्यों भाई बहिन के इस पवित्र रिश्ते हो बदनाम करते हैं..!

अंजू बैरवा
दिल्ली

धर्म

पता नहीं लोग सत्य कहते हैं
या मैं कलम से सत्य लिखता हूँ
लोग कहते हैं चार धर्म होते हैं
मैं कहता हूँ एक धर्म होता है
जिसे हम धर्म कहते हैं वह हमने बनाये है
अपने स्वार्थों के रंग इनमें मिलाए हैं
ईश्वर अगर भेदभाव करता
सूरज कभी मुसलमान के घर रोशन ना करता
जल का भी रंग अलग अलग होता
हिंदू के हिस्से के जल का रंग अलग
मुसलमान के हिस्से के जल का अलग रंग होता
कब्र से जाओ यह शमशान से जाओ
इस दुनिया में जिस तरह आना सत्य
उसी तरह जाना सत्य होता है
लोग कहते हैं चार धरम होते हैं
मैं कहता हूँ एक धर्म होता है,

महेश राठौर सोनू

खरीदें हुए रिश्तों की उम्र नहीं होती....

गरीबी के आंसू किसी को नज़र नहीं आते , मासूम मुन्ना के हाथ में कागज़ का टुकड़ा है ।
बापु दीदी ने ऐसा काहे लिखा ।
रामलाल रोए जा रहा है , क्या कहे वो , उसके सामने वो दृश्य उजागर हो गए ।
मालिक आज थोड़ा सा धान दे दो सुखा पड़ा है खेतों में फ़सल तो है नाहीं , बच्चे भूखे हैं ।
धान तो लेजा लेकिन पहले ही इतना कर्जा है तेरे सिर पे कब चुकाएगा ।
मुनिया की शादी कहां से करेगा , और तु कहता है मुन्ना को पढ़ाऊंगा , इस गरीबी में कैसे करेगा ,
तुझे कहा तो है मुनिया की शादी मुझ से कर दे बस उम्र ही तो थोड़ी ज्यादा है मेरी ,
और कोई ऐब तो नहीं मुझमें मगर तु माने तब ना , जा घर जा के सोच के आज ही बता दियो ।
जी मालिक सोचना ही पड़ेगा अब तो धान तो हुआ नाहीं सारा साल कहां से खाएंगे ।
अरी ओ मुनियां की अम्मा अब तु ही समझा मुनियां को कहती है जमींदार से शादी नहीं करेंगी ,
अरी इतना बड़ा आदमी और कहती है मैं वहां खुश नहीं रह सकती ,
का कमी है , राज करेगी राज समझा ना इसको मुन्ना को भी तो पढ़ाना है ,
जमींदार कह रहा है कर्जा भी माफ़ कर देगा और मुन्ना को भी पढ़ा देगा ।
बापु मेरे को तो वो खरीद लेगा, का मेरी खुशी खरीद लेगा ?
खरीदी हुई जिंदगी की उम्र ना ही होवे बापु ।
सच कहती थी बिटिया हमने उसकी शादी करा दी
पर कभी खुश नहीं दिखी वो एक साल में ही सब खत्म हो गया ।
ज़ार -ज़ार रोज़ जा रहा और उस कागज़ को चूमे जा रहा है
जैसे उसमें बेटी नज़र आ रही हो ।

मौलिक एवं स्वरचित, प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

कर्म.. !!!एक महोत्सव

कर्म दो प्रकार के होते हैं, दुशकर्मा, और सत्कर्म, यह एक बहुत ही सामान्य ज्ञान है जिसे ज्यादातर लोग जानते हैं, लेकिन केवल कर्म के प्रकार को जानना ही पर्याप्त नहीं है, कर्म क्या है कर्म कर्ता पर आधीन है जो कर्म की गहराई को जानले उसे धर्म जानने की जरुरत नहीं, क्योंकि कर्म ही एकमात्र धर्म है, हमारा दुसरो के प्रति व्यवहार ही हमारा धर्म है जो कदम कदम पर आपको कर्म करने का अवसर देते हैं फिर चाहे आप अच्छे कर्म करो या दुष्कर्म करो.. प्रकृति के पास बहुत बड़ा दिल है, प्रकृति सभी को समान अवसर देती है, आपको परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने की अनुमति देती है। हम सकारात्मक ओर नकारात्मक निर्णय लेने को सक्षम बनाती है ओर इसी तरहा हमें हर कदम पर चुनौती के लड़नेकी सुनहरी तक देती है

हम अपने व्यवहार में जो कर्म करते हैं वह हमारे भविष्य को स्थापित करता है, जिसका अर्थ यह हो सकता है कि जब भी हम कोई अपराध करते हैं, छोटी या बड़ी गलतियाँ करते हैं, हम खुद को धोखा देते हैं और प्रकृति को दोष देते हैं हम वास्तव में अपने भाग्य, अपने भविष्य के साथ धोखा करते हैं। क्योंकि हमारी वर्तमान परिस्थितियां कल का प्रतिबिंब हैं, हमारी भविष्य की परिस्थितियां हमारे वर्तमान का प्रतिबिंब हैं। और यदि हम अच्छे कार्यों के साथ अपने हाथों में रहा वर्तमान को सुधारते हैं, तो हम अतीत की गलतियों से अच्छी परिस्थितियों को स्थापित कर सकते हैं, जो वास्तव में अच्छी परिस्थितियां नहीं थीं, लेकिन अगर हम अपनी गलतियों का प्रायश्चित कर सकते हैं, तो प्रकृति भी हमारे प्रति दयालु हो सकती है। कर्म को वास्तव में समझने

की कोशिश करना मुश्किल काम नहीं है, यह बहुत आसान है, विचारों की सकारात्मकता हमें अच्छे काम करने के लिए प्रेरित करती है ?एक व्यक्ति की सकारात्मक सोच उसके आसपास के सभी लोगों को सकारात्मक बनाने की ऊर्जा रखती है, एक व्यक्ति का जीवन जीने का जज्बा उसके आसपास के लोगों को महान क्षणों, महान अंतःक्रियाओं, श्रेष्ठ चरित्र का जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। हां, जब कोई व्यक्ति एक क्षण के लिए अपने कार्यों से विचलित होता है, तो यह एक बहुत ही सामान्य बात है, एक व्यक्ति को परिस्थितियों से बचे रहने के लिए संघर्ष के क्षणों से गुजरना पड़ता है जब दूसरा व्यक्ति उसके इस विचलित व्यवहार को समझता है और उसे सही रास्ते पर ले जाने के लिए उसका साथ देता है, तो उस व्यक्ति को एक गुणी और सकारात्मक व्यक्ति कहा जा सकता है क्योंकि वह व्यक्ति की व्याकुलता को समझता है, स्थिति को समझता है और मार्गदर्शन प्रदान करता है। यदि उसने उसे सही रास्ते पर लाकर उसकी जान बचाई है, तो यह व्यक्ति अपने जीवन के उच्चतम धर्म निभारहा है। जीवन में हम परस्पर, एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के साथ व्यवहार करता है वही हमारा सच्चा धर्म है। धर्म कर्म के अधीन है। यदि आप केवल अच्छे कर्म किए बिना भगवान के सामने घंटो बैठते हैं, तो यह कोई धर्म नहीं है। श्रद्धा ओर अंधश्रद्धा मे तफावत है कभी कही भी आकाशवाणी नहीं हुई की है भक्तो मेरे सामने बैठे रहो, मुक्ती मिल जाएगी, नहीं.. मुक्ती हमें अपने आप मिलेगी जब हम खुदको भूलके दुसरो के बारेमे सोचेंगे. यह स्वयं मनुष्य के दिमाग़ की उपज है,जो मंदिर मे बैठ के मुक्ती के लिए अरज करते है सच्चाई बताना हमारा अधिकार भी है और कर्तव्य भी हमारा अपना दिखावा है कि हम समाज को दिखाते हैं कि हम धर्मनिष्ठ हैं, हम धर्म के रक्षक हैं। हम बहुत ऊँचे हैं .. नहीं, यह पूरी तरह से गलत है, बहुत से भक्त भगवान के सामने घंटों बैठते हैं और कहते हैं कि वे अपनी आत्मा के कल्याण हेतु भक्ती कर रहे है, ये केवल हमारी मान्यता है.. खुद को छोड़कर दुसरो के दुख दर्द को जानो, जब खुद को सुकुम मिले तो समझना कल्याण हो गया केवल खुद के लिए मुक्ती पाने की तलब हमें स्वार्थी बनाती है हमें सफल होने के लिए लोगों को अपने साथ रखना होगा, विभिन्न परिस्थितियों में लोगों की विभिन्न तरीकों से मदद करना, उन्हें जीवन में नैतिक समर्थन देना, अपने आसपास के लोगों के जीवन में एक दिया बनके , प्रकाश फैलाना होगा, सिर्फ लोगों के कल्याण के लिए नहीं, खुदका कल्याण करने के लिए भी आपको लोगों का कल्याण करना है, अच्छे कार्यों के प्रति लोगों के हित में जागरूकता लानी है, उन्हें जीवित करना है,सुसुप्त भावनाओं को जगाना है ÷लोगों का कल्याण करेंगे तो आत्मा का कल्याण स्वयं ही होगा÷ केवल अपनी ही आत्मा के बारे में सोचना स्वार्थी है जो कभी भी आपको कल्याण की ओर नहीं ले जाएगा, लेकिन जब आप अपने से आगे के लोगों में विलीन हो जाएंगे, तो मैं से होके हम हो जाओगे मेरा से हमारा तक का सफर हमें तय करना होगा जब हम इस तरहा की सोच प्राप्त करेंगे तो , स्वार्थ स्वार्थ रहित हो जाएगा और आत्मा को परमात्मा प्राप्त होगा, हृदय की संतुष्टि,हमें एक नयी खुशीयों का त्योहार जैसा एक महोत्सव जैसा प्रतीति कराएगा..

एक एहसास
अल्पा मेहता

टीवी इंडस्ट्री में कोरोना

प्रिंस नरूला-युविका चौधरी ने छिपाई पॉजिटिव होने की बात

अब डेंगू होने पर किया खुलासा- एक महीने पहले कोरोना हुआ था जिससे इम्युनिटी कम हो गई।

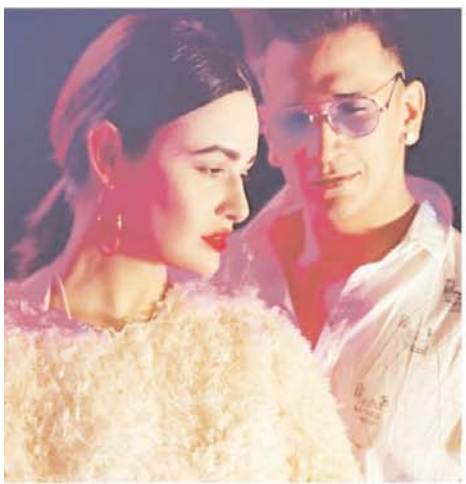

टेलीविजन के पॉपुलर कपल प्रिंस नरूला और युविका चौधरी इन दिनों अस्पताल में भर्ती डेंगू का इलाज करवा रहे हैं। डेंगू होने से पहले खबरें थीं कि कपल कोरोना पॉजिटिव है जिसके चलते दोनों क्वारेंटाइन हो गए हैं हालांकि दोनों ने इन खबरों से इनकार कर दिया था। अब डेंगू के इलाज के दौरान युविका ने कन्फर्म करते हुए बताया है कि वो कोरोना की चपेट में आ गए थे जिससे उनकी इम्युनिटी काफी कम हो गई है। दोनों ने ना केवल पॉजिटिव होने की बात छिपाई बल्कि इंटरव्यू में इस बारे में झूठ भी कहा। हाल ही में ई-टाइम्स से बातचीत में युविका चौधरी ने कहा, जी हां, हम पिछले महीने कोविड 19 पॉजिटिव हो गए थे। शायद इसी वजह से हमारी इम्युनिटी लेवल गिर गया है। इसी वजह से हमें दूसरे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ गया और डेंगू हो गया। मैं दुआ करती हूं कि ये किसी को ना हो।

क्यों छिपाई पॉजिटिव होने की बात

प्रिंस युविका ने एक महीने तक कोरोना संक्रमित होने पर चुप्पी साधी थी। अब इसकी वजह बताते हुए एक्टर ने कहा, हमें कोरोना वायरस से ज्यादा परेशानी नहीं दी। हमें बिना लक्षण वाला कोरोना था। हम लोगों को नहीं बताना चाहते थे कि हम ठीक हैं क्योंकि लोग एक्टर्स के बारे में पढ़ते हैं, और अंधों की तरह उन्हें फॉलो करने लगते हैं। सबके शरीर अलग होते हैं, हर केस भी अलग होता है। हमने खुद को 21 दिनों के लिए क्वारेंटाइन किया था। हमने बाहर निकलने से पहले दो बार टेस्ट भी करवाया। लेकिन फिर हमें डेंगू हो गया।

युविका ने कोरोना होने की अफवाह पर कहा था झूठ

प्रिंस और युविका के आइसोलेट होने पर लोगों ने उनके कोरोना पॉजिटिव होने की अफवाह फैला दी थी जो अब जाकर सही साबित हुई हैं। मगर उस समय युविका ने इस बारे में कहा था, हम सभी सावधानियों के साथ चंडीगढ़ से मुंबई आए थे लेकिन उसके बावजूद भी हमने खुद को घर पर आइसोलेट करना बेहतर समझा। इस दौरान हम किसी से भी नहीं मिले। बीते दिन हमने अपना कोविड 19 टेस्ट करवाया है जो खुशकिस्मती से नेगेटिव आया है। हमने खुद को पूरी तरह से घर में बंद कर लिया था तो लोगों को लगने लगा कि हमें कोरोना है और हमारा टेस्ट पॉजिटिव आया है। हालांकि ऐसा नहीं है।

नोरा फतेही ने गुरु रंधावा के साथ लगाए तूफानी ठुमके

नोरा फतेही और गुरु रंधावा बीते कई दिनों से अपने फैन्स को अपने वीडियो की झलक दिखाकर टीज कर रहे हैं। उनका म्यूजिक वीडियो नाच मेरी रानी ऑफिशली रिलीज हो चुका है। ये गाना आते ही इंटरनेट पर छा चुका है। इस गाने को गुरु रंधावा और निकिता गांधी ने गाया है। साथ में नोरा फतेही के जबरदस्त ठुमके लोगों का दिल जीत रहे हैं।नोरा फतेही और गुरु रंधावा के अलग-अलग जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। अब जब दोनों साथ आ गए हैं तो सोचिए क्या धमाल किया होगा। नोरा और गुरु रंधावा कई दिनों से अपने लेटेस्ट गाने से जुड़े पोस्ट कर रहे हैं। कुछ दिन पहले उनका रिहर्सल का वीडियो लीक हुआ था। वहीं उन्होंने साथ में कई तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। यह वीडियो रिलीज होते ही इंटरनेट पर छा गया है। नोरा ने इसका टीजर भी पोस्ट किया था जिसे उनके फैन्स ने खूब पसंद किया था। नोरा फतेही के वीडियोज इंटरनेट पर छाए रहते हैं। रीसेंटली उनके बीच वीडियोज काफी वायरल हुए हैं।

शहनाज गिल ने गाया सलमान खान की फिल्म का गाना

रिएलिटी शो बिग बॉस 13 की पॉप्युलर कंटेस्टेंट रहीं शहनाज गिल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह कुछ न कुछ पोस्ट कर फैन्स को एंटरटेन करती रहती हैं। अब उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है। वीडियो में वह सलमान खान की फिल्म का एक गाना गाती नजर आ रही हैं।

इस वीडियो को शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वह टाइगर जिंदा है फिल्म का गाना दिल दियां गल्ला गाती दिख रही हैं और इस गाने में उनका साथ सिंगर अर्जुन कानूनगो दे रहे हैं। फैन्स कॉमेंट्स में शहनाज की सिंगिंग स्किल्स की तारीफ करते हैं। मालूम हो कि इस गाने को सिंगर आतिफ असलम ने गाया था जो काफी पॉप्युलर हुआ था। शहनाज ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, दिल से कमेंट करें अगर आप चाहते हैं कि मैं ऐसे और कवर सॉन्ग्स करूं। इस वीडियो को अभी तक 11 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो को जमकर लाइक और शेयर किया जा रहा है। बता दें कि हाल ही मे शहनाज ने एक इंटरव्यू में बताया कि वह बिग बॉस 14 फॉलो कर रही हैं। बातचीत में शहनाज ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई शख्स कितना स्वीट और नाइस होने की कोशिश कर रहा है। बिग बॉस का कॉन्सेप्ट ऐसा है कि वह इंसान की रियल पर्सनालिटी बाहर लाता है। शहनाज को लगता है कि बिग बॉस इंसान की क्षमता और धैर्य की भी परीक्षा लेता है। हालांकि ऐसा लग रहा है कि वह बिग बॉस-14 के कंटेस्टेंट्स से खुश नहीं हैं। सिद्धार्थ शुक्ला को टीआरपी किंग बताते हुए शहनाज ने कहा, सिद्धार्थ शुक्ला टीआरपी किंग है। मुझे लगता है कि कई लोग उसके कारण ही देखते हैं। शहनाज ने बताया कि वह सिद्धार्थ के कारण बिग बॉस देख रही हैं। उन्होंने कहा, मैं सिद्धार्थ शुक्ला के कारण शो देख रही हूं। मैं उसके जाने के बाद नहीं देखूंगी।

जब रातोंरात देश छोड़कर अमेरिका पहुंच गई थीं नरगिस फाकरी

एक्ट्रेस नरगिस फाकरी आज अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं. उनका जन्म 20 अक्टूबर 1979 को न्यूयॉर्क में हुआ था. अपनी दमदार एक्टिंग की वजह से नरगिस आज बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हैं. रॉकस्टार, मद्रास कैफे और हाउसफुल 3 जैसी फिल्मों से बॉलीवुड में अपना पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस नरगिस फाकरी आज अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं. उनका जन्म 20 अक्टूबर 1979 को न्यूयॉर्क में हुआ था. अपनी दमदार एक्टिंग की वजह से नरगिस आज बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हैं. आज उनके बर्थडे पर हम आपको उनकी जिंदगी से जुड़ी एक ऐसी सच्ची घटना के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिससे आप भी अनजान होंगे. बात साल 2016 की है, जब नरगिस अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म हाउसफुल 3 के प्रमोशन में व्यस्त थीं. तभी एक रात अचानक उन्हें देश छोड़कर अमेरिका जाना पड़ गया. उनके रातोंरात अमेरिका जाने की वजह क्या थी, उस दौरान ये किसी को पता नहीं था. इसलिए लोग तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे. उस दौरान जो बातें सामने निकल कर आ रही थीं. उस दौरान नरगिस को लेकर जो बातें हो रही थीं, उसमें सबसे ज्यादा जोर लोग इस बात पर दे रहे थे कि उदय चोपड़ा से ब्रेकअप होने के बाद नरगिस टूट गई हैं, इसलिए वह इंडिया से बाहर चली गई हैं, लेकिन नरगिस के अमेरिका जाने की असली वजह जब सबके सामने आई, तो सभी शॉक्ड हो गए. नरगिस ने सारी अटकलों से पर्दा हटाते हुए बताया था कि उनको एक जानलेवा बीमारी हो गई थी, जिसके कारण उन्हें देश छोड़कर तुरंत अमेरिका जाना पड़ गया था. नरगिस को जो बीमारी हुई थी, वह आर्सेनिक और लीड पॉयजनिंग नामक बीमारी थी. नरगिस ने कहा था, मुझे आर्सेनिक और लीड पॉयजनिंग थी और किसी को नहीं पता था कि मुझे क्या हुआ है. ये बीमारी आपको खाना या पानी जैसी किसी भी तरह से हो सकती है. जब डॉक्टर ने मेरा चेकअप किया, तो वह बुरी तरह से डर गया, क्योंकि बीमारी का लेवल काफी हाई पर पहुंच गया था. मैंने डॉक्टर से पूछा कि मुझे क्या करना चाहिए. उसके बाद नरगिस ने खुद का इलाज शुरू किया. डॉक्टर ने अपना इलाज शुरू किया, लेकिन नरगिस ने रिस्क लिया. उन्होंने डॉक्टर के इलाज की बजाए आयुर्वेद पर बेस्ड नैचुरोपैथी से अपना इलाज शुरू किया. यह हर्ब्स पर बेस्ड था, लेकिन कई चीजों का मिश्रण है और उन सभी के बारे में नरगिस ने खूब रिसर्च की. छह महीने बाद जब उन्होंने दोबारा टेस्ट करवाया, तो बीमारी नहीं थी. डॉक्टर नरगिस के इस रिजल्ट को देख काफी हैरान थे.

ऋतिक की वाइफ सुजैन खान का इंस्टाग्राम अकाउंट हो गया हैक

ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस की ही तरह सोशल मीडिया पर पॉपुलर हैं। वो हमेशा अपनी तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर शेयर करती रहती हैं। इसी बीच सुजैन ने एक ऐसी खबर दी है जिससे लोग चौंक गए। पोस्ट शेयर कर सुजैन ने बताया है कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट हैक हो गया था। इन दिनों वैसे भी सोशल मीडिया काफी असुरक्षित सा हो गया है। बात फेसबुक की करें या इंस्टाग्राम की, दोनों ही जगह हैकर्स काफी एक्टिव हो गए हैं। ऐसे में सुजैन का अकाउंट भी हैक हो जाने के बाद उन्होंने लोगों को नसीहत दी है कि ऐसे चोरों से सावधान रहें। हालांकि सुजैन का अकाउंट अब वापस उनके संचालन में आ गया है। सुजैन ने एक पोस्ट शेयर करते हुए ये पूरा वाक्या बताया है। सुजैन ने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट एक फर्जी ईमेल द्वारा हैक किया गया था, जो इंस्टाग्राम होने का दिखावा कर रहा था। मुझे महसूस नहीं हुआ कि यह ऑथेंटिक नहीं था और इसलिए मैंने बटन पर क्लिक किया। मैं बहुत ईमानदारी से यह नोट को लिख रही हूं, प्लीज किसी भी गैर-भरोसेमंद ईमेल या मैसेज पर क्लिक ना करें। आगे सुजैन लिखती हैं, स्थिति को जल्दी ठीक करने और कम से कम वक्त में मुझे मेरा अकाउंट वापस दिलाने में मदद करने के लिए इंस्टाग्राम टीम आपका बहुत धन्यवाद... सुरक्षित रहें और इन वायरल चोरों से सावधान रहें। सुजैन खान। बता दें कि सुजैन खान एक्टर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ हैं। दोनों ने साल साल 2014 में एक दूसरे से आपसी सहमति के साथ तलाक ले लिया था। दोनों के दो बच्चे ऋदान और ऋहान भी हैं जो अपने पिता ऋतिक रोशन के साथ रहते हैं। वहीं लॉकडाउन के समय में अपने दोनों बच्चों की खातिर सुजैन ऋतिक के घर में ही शिफ्ट हो गईं जिसे लेकर भी ये कयास लगाए जा रहे थे कि शायद दोनों एक बार फिर से एकसाथ हो गए हैं। लेकिन बाद में उन्होंने बताया कि वो केवल लॉकडाउन की वजह से यहां आई हैं।

ऐक्ट्रेस और सांसद नुसरत जहां ने शेयर की बाइकर लुक वाली स्टनिंग तस्वीरें

टीएमसी की एमपी (तृणमूल कांग्रेस की सांसद) और ऐक्ट्रेस नुसरत जहां ने अपनी एक जबरदस्त ग्लैमरस तस्वीर शेयर की है और इसे लेकर वह काफी चर्चा में भी छाई हैं। नुसरत ने ब्लैक लेदर ड्रेस में अपनी बेहद ग्लैमरस तस्वीर शेयर की है और सोशल मीडिया पर उन्हें खूब रिऐक्शंस भी मिल रहे हैं। फैन्स के साथ-साथ ऐक्ट्रेस और सांसद मिमी चक्रवर्ती भी उनकी इन तस्वीरों पर जमकर तारीफ की है। कोरोना के बाद जहां अब सिनेमाघर खुल रहे हैं और कई फिल्में रिलीज होने को तैयार हैं, वहीं नुसरत की फिल्म रडर डङ्ग''३ भी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ये तस्वीरें नुसरत की इसी फिल्म से हैं। नुसरत की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, जिनमें वह जबरदस्त स्टनिंग दिख रही हैं। इन तस्वीरों में वह इस ब्लैक लेदर आउटफिट में बाइकर वाले लुक में किलर दिख रही हैं। इनमें से कई तस्वीरों में वह यश दासगुप्ता के साथ भी पोज देती दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इन तस्वीरों को देखकर मिमी चक्रवर्ती भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक न सकी। उन्होंने नुसरत की इन तस्वीरों को किलर बताया है। बंगाली फिल्म की ये दोनों ऐक्ट्रेसेस अपने फैशन स्टेटमेंट को लेकर अक्सर ही चर्चा में रहती हैं। बता दें कि नुसरत की इस फिल्म में यश दासगुप्ता लीड रोल में हैं। इसके अलावा सब्यसाची चक्रवर्ती भी अहम भूमिका में हैं।

राजस्थानी दुल्हन बनीं रश्मि देसाई

रश्मि देसाई सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं। अब हाल ही में रश्मि ने अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। एक फोटो में रश्मि राजस्थानी दुल्हन के लुक में नजर आ रही हैं। फोटो में रश्मि का आउटफिट से लेकर उनकी ज्वैलरी तक सब फैन्स को पसंद आ रहा है। रश्मि की यह फोटो फैन्स के साथ-साथ सेलेब्स को भी पसंद आ रही है। सभी रश्मि की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। रश्मि ने इसके बाद एक साउथ इंडियन ब्राइड लुक में अपनी फोटो शेयर की है। रश्मि ने इस दौरान व्हाइट कलर की साड़ी पहनी हुई है। साथ ही रश्मि ने हैवी ज्वैलरी पहनी हुई है। फोटो में सभी रश्मि की स्माइल की भी तारीफ कर रहे हैं। रश्मि ने कुछ दिनों पहले लग्जरी गाड़ी खरीदी है। यह गाड़ी रश्मि का सपना था। एक इंटरव्यू के दौरान रश्मि ने कहा था,लॉकडाउन की वजह से हम हम सभी को आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। अगर आपने पहले से प्लानिंग नहीं की थी तो जरूर आपको तंगी का सामना करना पड़ा होगा। रश्मि ने इंटरव्यू में बताया था कि वह बिग बॉस 13 के बाद मर्सिडीज खरीदना चाहती थी, लेकिन फिर प्लान कैंसल कर दिया। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि उन्हें इस महामारी के बीच प्लानिंग के साथ काम करने से होने वाले फायदों का अहसास हो गया है। शहनाज गिल ने गाया सलमान खान की फिल्म का गाना, अपनी खूबसूरत आवाज से जीता फैन्स का दिल कुछ दिनों पहले रश्मि ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर की क्लास लगाई थी जिसने उनकी उम्र को लेकर गंदा कमेंट किया था। रश्मि ने लिखा था, तू है कौन बे? क्या तुम्हारे यही विचार अपनी मां, बहन, गर्लफ्रेंड या बाकी महिलाओं के लिए है? यही तुम्हारे माता-पिता या आपके आसपास के माहौल ने सिखाया है या यह तुम्हारा खुद का गंदा दिमाग है। वास्तव में यह देखकर दुख होता है कि तुम जैसे लोग लिखना जानते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि क्या लिखना है। यह तब है जब तुम लोगों के पास शिक्षा का अभाव है और आपको इसकी आवश्यकता है। मुझे आप पर दया आती है, ऐसे छोटे गंदे दिमाग वाले लड़के।

चीन ने 8 दिन बाद किया था 5 भारतीय नागरिकों को रिहा

भारत ने उसके सिपाही को 2 दिन में ही छोड़ा

नई दिल्ली। भारत ने जिस चीनी सैनिक को लद्दाख में पकड़ा था, उसे सुरक्षित लौटा दिया है। भारतीय सेना ने चीन को उसके सैनिक को लौटा दिया है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा पार कर लद्दाख आ गया था। मंगलवार रात (20 अक्टूबर) को चुशूल मोल्दो में बैठक स्थल पर पीएलए के सिपाही कॉर्पोरल वांग हां लॉन्ग को चीनी सेना को सौंप दिया। भारत ने महज दो दिन के भीतर ही चीन को उसके सैनिक को वापस कर दिया। मगर ये वही चीन है जिसने भारत के पांच नागरिकों को छोड़ने में आठ दिन का समय लगाया था।

दरअसल, पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर जारी तनातनी के बीच भारतीय सेना ने एक चीनी सैनिक को पकड़ा था। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने भी इस बात की पुष्टि की थी कि उसका एक सिपाही रविवार (18 अक्टूबर) रात को सीमा के पास से लापता हो गया। इसके बाद चीनी सेना ने भारत से अपने सैनिक को लौटाने की गुहार लगाई थी। पकड़े गए चीनी सैनिक के बारे में भारतीय सेना ने कहा था कि उसने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सैनिक को पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में सोमवार को पकड़ा है। पश्चिमी

थिएटर कमान के प्रवक्ता कर्नल झांग शुइली ने सोमवार रात को लापता पीएलए सैनिक को लेकर कहा कि हमारा एक चीनी सिपाही उस वक्त लापता हो गया, जब वह 18 अक्टूबर की रात एक चरवाहे को अपना खोए हुए याक को खोजने में मदद कर रहा था। कर्नल झांग ने कहा कि इस घटना के तुरतं बाद ही चीनी सीमा रक्षकों ने भारतीय पक्ष को घटना की सूचना दे दी थी। हालांकि, भारत ने प्रोटोकॉल के हिसाब से जरूरी पूछताछ कर दो दिन के भीतर यानी 20 अक्टूबर की रात को चीन के सैनिक को सुरक्षित वापस लौटा दिया। लेकिन जब 4 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश के पांच नागरिक सीमा पर रास्ता भूल गए थे, तो चीनी सेना ने उन्हें पकड़ लिया था। हालांकि, चीन ने उन पाचों भारतीय नागरिकों को 12 सितंबर को भारत को वापस लौटा दिया, मगर चीन ने इसके लिए आठ दिन का समय लगाया। लेकिन जब चीनी सैनिक के पकड़े जाने की बात आई तो भारत ने दरियादिली दिखाई और त्वरित एक्शन लेते हुए उसने चीन को उसका सैनिक महज दो दिन के भीतर ही छोड़ दिया। इन पाचों भारतीय नागिरकों के चीन द्वारा पकड़े जाने की सूचना सबसे पहले भारतीय पक्ष में कांग्रेस विधायक निनॉन्ग इरिंग ने दी थी और उन्होंने कथित तौर पर चीन द्वारा आगवा किए जाने की बात कही थी।

क्या कहता है नियम–दो देशों के बीच सीमा पर जो अंतरराष्ट्रीय नियम है, उसके मुताबिक, शांति काल में जब भी किसी देश का सैनिक दूसरे देश में पकड़ा जाता है तो सबसे पहले उसकी तलाशी ली जाती है और उससे पूछताछ होती है। फिर उसके इरादे का पता लगाया जाता है। पूछताछ में जब पकड़े गए शख्स की शिनाख्त हो जाती है और अधिकारी संतुष्ट हो जाते हैं तो उसके पकड़े जाने की सूचना दूसरे पक्ष को दी जाती है। प्रोटोकॉल पूरा होने के बाद और पूछताछ में संतुष्ट होने के बाद संबंधित देश के सैनिक को लौटा दिया जाता है।

अनलॉक में रेस्टोरेंट तो खुले, पर नहीं हैं कोरोना संक्रमण से बचाव के पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली। महामारी के बीच अब लोग रेस्टोरेंट में बैठकर खाना भी खा रहे हैं और मेट्रो व सार्वजनिक परिवहन का भी इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन, इस दौरान कोविड के संक्रमण का भी खतरा है। दरअसल, सभी रेस्टोरेंट में बचाव के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। ऐसे में खुद ही सचेत रहते हुए अपना बचाव करना जरूरी है।

सभी जगह नहीं हो रहा प्रोटोकॉल का पालन–रेस्टोरेंट में अंदर जाने से पहले तापमान की जांच कर ग्राहक की स्क्रीनिंग करनी चाहिए। उसके फोन में आरोग्य सेतु एप होना चाहिए। अंदर जाने से पहले उसके हाथ सेनेटाइज किए जाने चाहिए। लेकिन राजधानी के सभी रेस्टोरेंट में इतने पुख्ता तरीके से बचाव के इंतजाम नहीं किए गए हैं। कुछ स्थानों पर तो खाना परोसने वाले भी पूरी तरह से कवर्ड मास्क नहीं लगा रहे हैं। ऐसे में रेस्टोरेंट जाते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

बचाव के ये तरीके अपनाएं–

अपने साथ सेनेटाइजर लेकर जाएं।

टेबल पर हाथ रखने और मेन्यू छूने के बाद फिर हाथ सेनेटाइज करें।

आपका खाना नहीं पहुंच जाता है, तब तक आप अपने मास्क को न उतारें।

ध्यान रखें कि रेस्टोरेंट में कितने लोग जा रहे हैं, जब कम लोग रहें तभी जाएं।

अगर आपको अपने हाथ से खाना है, तो हाथ को साबुन से अच्छी तरह धो लें।

खाना खाते समय अपने फेस को टच करने से बचें।

रेस्टोरेंट में भी सामाजिक दूरी बनाएं रखें।

आपकी बॉडी का तापमान अधिक है और जुकाम के लक्षण दिख रहे हैं तो रेस्टोरेंट में न जाएं।

डिजिटल पेमेंट करने की कोशिश करें, ताकि आप किसी चीज को न छुएं।

खाने से संक्रमण नहीं होता है लेकिन ध्यान रखें को रेस्टोरेंट ने खाना परोसते समय एहतियात रखा है या नहीं।

मेट्रो के इंतजाम–हालांकि, मेट्रो की तरफ से तो बचाव के पुख्ता इंतजाम गए हैं, लेकिन आप सफर करते हैं तो आपको भी अपने स्तर पर बचाव का ध्यान रखने की जरूरत है। क्योंकि मेट्रो एक बार सबकुछ सेनेटाइज करते हुए सफर शुरू करती है तो उसकी सवारियों को इसके बाद इंतजाम पर ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए सिर्फ मेट्रो के इंतजाम तक की सीमित नहीं रहें। खुद भी सारे जरूरत उपायों का पालन करें।

मेट्रो में इन बातों का रखें ध्यान–बीमार हैं तो यात्रियों को मेट्रो में सफर करने की अनुमति नहीं होगी। परिसर में प्रवेश से पहले अपने शरीर के तापमान की जांच कराएं।

सफर के दौरान मास्क अनिवार्य रूप से पहनें। ट्रेन में एक-एक सीट छोड़कर लोगों की बैठने की व्यवस्था की गई है। इसका पालन करें।

कुछ भी छूने के बाद हाथों को सेनेटाइज करें और कोशिश करें कि हाथों से मुंह या नाक को न छुएं।

क्या पाकिस्तान एफटीएफ की ग्रे सूची से निकल सकता है या नहीं?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एएफटीएफ) की ग्रे सूची में संभवत–बना रहेगा क्योंकि वैश्विक निगरानी कार्य योजना द्वारा दिए गए 27 लक्ष्यों में वह छह का अनुपालन करने में असफल रहा है। यह दावा बुधवार को मीडिया में प्रकाशित खबरों में किया गया। उल्लेखनीय है कि आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन को रोकने एव निगरानी करने वाली पेरिस से संचालित संस्था की 21 से 23 अक्टूबर के बीच डिजिटल माध्यम से वार्षिक बैठक होगी जिसमें 27 बिंदुओं की कार्य योजना की समीक्षा की जाएगी। एफएटीएफ ने पाकिस्तान को जून 2018 में ग्रे सूची में डाला था और इस्लामाबाद को धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने की 27 बिंदुओं की कार्य योजना को वर्ष 2019 के अंत तक लागू करने को कहा था , लेकिन कोविड महामारी की वजह से इस मियाद में वृद्धि कर दी गई। राजनयिक स्रोतों के हवाले से पाकिस्तानी अखबार दि एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने लिखा कि देश अगले साल जून तक एफएटीएफ की ग्रे सूची से बाहर निकलने में सफल होगा। खबर के मुताबिक] पाकिस्तान संभवत–एफएटीएफ की ग्रे सूची से नहीं निकल पाएगा लेकिन वह काली सूची में जाने से बच गया है। मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तान कानूनी औपचारिकताओं को पूरा कर चुका है और निगरानीकर्ता को सूचित किया है कि कार्य योजना के 21 बिंदुओं को उसने लागू कर दिया है। अखबार के मुताबिक, पाकिस्तान ने कार्य योजना के शेष बचे छह बिंदुओं पर भी 20 प्रतिशत प्रगति करने का दावा किया है। गौरतलब है कि कर्ज से दबे पाकिस्तान ने एफएटीएफ की ग्रे सूची से निकलने की कोशिश के तहत अगस्त महीने में 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं पर वित्तीय पाबंदी लगाई थी।

दुर्गापुर में भी साइबर सेल यूनिट का शुभारंभ जिला प्रशासन द्वारा

अमन राय ब्यूरो चीफ

आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट आम लोगों के सुरक्षा के लिए लगातार प्रयास कर रही है. देश भर में फेक न्यूज़ पोस्ट करने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है. साथ ही छल से बैंक से रुपए गायब करने वाले अपराधी भी सक्रिय हैं कुछ अपराधी पकड़ा भी रहे हैं. इनके जाल में फंसने वाले ज्यादातर कम पढ़े लिखे लोग ही होते हैं. इन लोगों को कुछ प्रलोभन देकर अपराधी इनके बैंक अकाउंट से उनकी गाड़ी कमाई उड़ा ले जाते हैं. आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट लगातार ऐसे अपराधों पर पैनी नजर रखे हुए हैं. इसी कड़ी में कमिश्नरेट के ईस्ट जोन अरविंदो थाना मे एक साइबर सेल यूनिट का विधिवत उद्घाटन किया गया. साथ ही एक टेबलो भी लोगों की जागरूकता के लिए रवाना किया गया. जो अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों का परिक्रमा करेगी. इस मौके पर उपस्थित थे जिला शासक पूर्णेन्दु माझी, आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नर सुकेश कुमार जैन, मेयर जितेंद्र तिवारी, डीएमसी के मेयर दिलीप अगस्ती, दुर्गापुर पश्चिम के विधायक विश्वनाथ पड़ियाल, डीसीपी सेंट्रल, डीसीपी डीडी, डीसीपी अभिषेक गुप्ता,

एसीपी, एसबीआई बैंक के डीजीएम, विभिन्न थाना के थाना प्रभारी एवं गणमान्य व्यक्ति.इस मौके पर जितेंद्र तिवारी ने कहा की अपराधी आजकल अपराध के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं ऐसे में साइबर सेल यूनिट का होना निश्चित तौर पर लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा. वहीं पुलिस आयुक्त सुकेश कुमार जैन ने बताया कि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के बढ़ने से साइबर अपराधी भी सक्रिय हो गए हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए दुर्गापुर में भी साइबर सेल यूनिट का शुभारंभ किया गया. मुझे उम्मीद है आने वाले दिनों में क्षेत्र के लोगों को सहायता मिल पाएगी. डीएम पूर्णेन्दु माझी ने बताया कि बैंकों को भी चाहिए साइबर अपराध को रोकने के लिए अपने ग्राहकों को जागरूक करें. डीसीपी ईस्ट अभिषेक गुप्ता ने बताया कि शारद उत्सव के मौके पर हम लोगों ने संकल्प लिया है समाज में जो लोग अपराध कर रहे हैं उनको दमन करने के लिए. लोगों को जागरूक होना जरूरी है. साइबर यूनिट के शुभारंभ से मुझे उम्मीद है आने वाले दिनों में साइबर अपराधियों पर लगाम लग सकेगा.

पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है गिलगित-बाल्टिस्तान, प्रदर्शनकारियों ने की राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग

बाल्टिस्तान। एक प्रमुख स्थानीय एक्टिविस्ट बाबा जान सहित राजनीतिक कैदियों को रिहा करने की मांग को लेकर गिलगित-बाल्टिस्तान में तीसरे सप्ताह भी प्रदर्शन जारी है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उस कानून पर सवाल उठाए, जिसके तहत कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। उनका कहना है कि यह क्षेत्र पाकिस्तान और उसके कानूनों का हिस्सा नहीं है। इन कानूनों का यहां इस्तेमाल नहीं करें। यहां तक कि क्षेत्र के दूरदराज के गांवों के लोग भी अब इस आंदोलन में शामिल हो गए हैं। ये राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे हैं, जो अवैध सजा काट रहे हैं। 90 वर्षीय बाबा जान की तस्वीरें लेकर, प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारे लगाए और राजनीतिक कैदियों को तुरंत रिहा करने की मांग की। 2011 में गिरफ्तार किए गए बाबा जान एक एक्टिविस्ट हैं, जिन्होंने तत्कालीन पाकिस्तानी प्रशासन को चुनौती दी थी, जो कि गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों के खिलाफ काम कर रहा था।

दिवाली-छठ पर घर आना चाहते हैं तो जान लें बिहार के लिए कहां-कहां से चलेंगी ये स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। दिवाली और छठ पर घर आने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। पूर्व-मध्य रेल (ईसीआर) ने आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों को विशेष सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बिहार के पटना से पंजाब के फिरोजपुर और कटिहार से दिल्ली के बीच दो जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेन चलाएगा। ईसीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने मंगलवार को दो जोड़ी साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन के परिचालन के बारे में विस्तार से बताया कि गाड़ी संख्या 04656 फिरोजपुर-पटना पूजा स्पेशल 23 अक्टूबर से 27 नवंबर 2020 तक प्रत्येक शुक्रवार को फिरोजपुर से 19.00 बजे खुलेगी और शनिवार को 21.25 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 04655 पटना-फिरोजपुर स्पेशल 24 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को पटना से 23.25 बजे खुलकर रविवार को 23.55 बजे फिरोजपुर पहुंचेगी।

राजेश कुमार ने बताया कि यह

स्पेशल ट्रेन फिरोजपुर और पटना के बीच अप एवं डाउन दिशा में कोट कपुरा, बठिंडा, रामपुर फुल, बरनाला, धूरी, पटियाला, राजपुरा, अम्बाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, सुल्तानपुर, वाराणसी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित के दो कोच, तृतीय श्रेणी वातानुकूलित के चार कोच, शयनयान के 10 कोच, सामान्य श्रेणी के दो कोच एवं एसएलआर के दो कोच सहित कुल 20 डिब्बे होंगे। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि गाड़ी संख्या 04084 दिल्ली-कटिहार स्पेशल 23 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को दिल्ली से 23.00 बजे खुलकर शनिवार को 22.00 बजे कटिहार पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि वापसी में गाड़ी संख्या 04083 कटिहार-दिल्ली स्पेशल 24 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को कटिहार से 23.50बजे खुलकर रविवार को 22.50 बजे दिल्ली पहुंचेगी। कुमार ने बताया कि यह ट्रेन दिल्ली और कटिहार के बीच अप एवं डाउन दिशा में गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया एवं नौगछिया स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित के दो डिब्बे, तृतीय श्रेणी वातानुकूलित के चार कोच, शयनयान के सात, सामान्य श्रेणी के पांच एवं एसएलआर के दो कोच सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

रियासी जिले में शहीदों की याद में अन्य जिलों की तरह पुलिस कमिशनेशन डे मनाया गया, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी

रघुवीर ठाकुर

रियासी। एसएसपी रियासी श्रीमती रश्मि वज़ीर-जेकेपीएस ने जिला पुलिस लाइन रियासी में नवनिर्मित पुलिस शहीद स्मारक को जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीदों को समर्पित किया।

इस अवसर पर एसएसपी रियासी ने पुलिस के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने वर्ष 2020 के सभी पुलिस शहीदों के नाम पढ़े। शहीदी दिवस की परेड के बाद सभी अधिकारियों और शहीद परिवारों ने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। फ़ंक्शन के अंत में, श्रीमती। रश्मि वज़ीर, जेकेपीएस एसएसपी रियासी के साथ श्री, राजिंदर कुमार शर्मा (जेकेएएस) रियासी, सुश्री ज्योत्सना सरकाररेयासी, श्री अनिल कटोच शर्मा प्रिंसिपल स्क्नष्ट तलवाड़ा, श्री पुरुषोत्तम शर्मा, सम्मान के टोकन के रूप में शहीदों के परिजनों को उपहार वितरित किए। शहीद जवानों के परिवार के सदस्यों के साथ बात करते हुए, एसएसपी रियासी ने उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया और उन्हें यह भी बताया कि उन्हें अकेले महसूस नहीं करना चाहिए। परेड में श्री द्वारा भाग लिया गया था। सुरजीत कुमार भगत। एसपी रियासी, श्री मुमताज़ अली भट्टी डी एस पी (डी आर) रियासी, श्री इफ्तिखार अहमद ऱ रियासी, श्री कुलजीत सिंह, एसडीपीओ कटरा, सतीश भारद्वाज (जेकेपीएस) एसडीपीओ अरनास, सीएमओ रियासी और नागरिक / पुलिस प्रशासन / सीआरपीएफ के अन्य अधिकारी और जिला रियासी के प्रमुख नागरिक भी। शहीदों के परिवारों के अलावा डीपीएल रियासी में आयोजित स्मारक दिवस परेड का भी गवाह बने। कार्यक्रम के समापन पर शहीद जवानों के परिवारों को जलपान प्रदान किया गया।

इजराइल ने कोरोना टीके को लेकर अब क्या कहा?

अगस्त में किया था वैक्सीन बनाने का दावा

यरूशलम। इजराइल के कोविड-19 टीके 'ब्रिलाइफ' का मानव परीक्षण अक्तूबर के आखिर तक शुरू होगा। इजराइली रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने टीके के मानव परीक्षण की शुरुआत के बारे में कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण क्षण और राष्ट्रीय गौरव की बात है। यह देश-दुनिया के लिए एक बड़ी खबर ला सकता है। यह टीका इजराइल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल रिसर्च (आईआईबीआर) ने विकसित किया है।

इजराइल ने अगस्त में दावा किया था कि उसके पास कोरोना वायरस का टीका है, लेकिन इसे नियामक प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इन प्रक्रियाओं की शुरुआत मानव परीक्षण के साथ होगी। गैंट्ज सोमवार को आईआईबीआर पहुंचे, जहां उन्हें टीके के मानव परीक्षण के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने इस मौके पर कहा कि हमारे लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। स्टाफ ने शानदार काम किया है। मैं आईआईबीआर के सभी अनुसंधानकर्मियों और प्रशासकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आईआईबीआर के निदेशक

शैम्यूल शापिरा ने इस दौरान संभावित टीके के नाम ब्रिलाइफ का अनावरण किया। इस संबंध में जारी विज्ञप्ति में यह नहीं बताया गया कि टीके के मानव परीक्षण में कितना समय लगेगा और इस्तेमाल के लिए टीका कब तक उपलब्ध होगा।

कोरोना से ठीक होकर दूसरी बीमारियों से घिर सकते हैं–वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि लोग कोरोना से ठीक होने के बाद भी कई दूसरी बीमारियों से घिर सकते हैं। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि कोरोना से ठीक हुए रोगियों में महीनों तक कुछ लक्षण रहते हैं। कोरोना संक्रमण शरीर के चार अंगों फेफड़ों, हृदय, किडनी और लीवर आदि को कमजोर कर देता है। इसलिए कोविड से उबरने के बाद भी विशेष सावधानी बरतना जरूरी है, अन्यथा वे अन्य बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में एक छोटा अध्ययन किया था। अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार, कोरोना महामारी के आधे से अधिक रोगियों ने अपने प्रारंभिक संक्रमण के बाद दो से तीन महीने तक सांस की तकलीफ, थकान, चिंता और अवसाद जैसे लक्षणों का अनुभव किया है। शोध में 58 रोगियों में कोविड-19 के दीर्घकालिक प्रभाव को देखा गया, जो महामारी की बीमारी से ग्रस्त हुए थे। इसमें पाया गया कि कुछ रोगियों में संक्रमित होने से लगातार बुखार के कारण शरीर के अंगों में कुछ महीनों तक समस्या बनी रहती है। हालांकि, इस अध्ययन को अन्य वैज्ञानिकों द्वारा समीक्षा के पहले ही मेड-आरएक्सआईवी वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया गया था।

शिवसेना की माता वैष्णो देवी यात्रा पर विशेष ध्यान देने एव अनावश्यक प्रतिबंध हटाने की अपील काउंटर पंजीकरण व्यवस्था बहाली हो– साहनी

जम्मू–शिवसेना बाला साहेब ठाकरे जम्मू-कश्मीर इकाई के नेताओं ने श्री माता वैष्णो देवी यात्रा पर श्रद्धालुओं की कम संख्या पर चिंता व्यक्त की है और जम्मू-कश्मीर प्रशासन से इसपर विशेष ध्यान देने एव आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। पार्टी अध्यक्ष यूटी, जेएंडके मनीश साहनी ने आज पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से, उपराज्यपाल माननीय मनोज सिन्हा से लखनपुर में अव्यवस्था एव अनावश्यक प्रतिबंधों को हटाने एवं तीर्थयात्रियों के लिए जम्मू और कटरा में काउंटर पंजीकरण व्यवस्था बहाली की अपील की है। साहनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले पर्यटन उद्योग काफी हद तक धार्मिक यात्राओं पर निर्भर है।उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ और मिचेल यात्रा पहले ही कोविड की भेंट चढ़ चुकी हैं। श्री माता वैष्णो देवी यात्रा की बहाली को लेकर पर्यटक उद्योग काफी उत्साहित था और नवरात्रों के दौरान भक्तों की भारी भीड़ की उम्मीद की जा रही थी । लेकिन लखनपुर में बाहरी राज्यों से आने वालों का कोरोना परीक्षण अनिवार्य बनाने के निर्णय का नकारात्मक प्रभाव देखा जा रहा है। वहीं काउंटर पंजीकरण नहीं होना भी श्रद्धालुओं की कमी का मुख्य कारण है । उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए बाहरी राज्यों से 200 से भी कम श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। साहनी ने कहा कि देश के किसी अन्य राज्य में प्रवेश पर इस तरह की औपचारिकता नहीं है। साहनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए प्रशासन को अपने फैसले में तुरंत बदलाल एवं सुधार लाने होंगे। इस अवसर पर महिला विंग की अध्यक्ष मीनाक्षी चिब्बर, कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी विकास बख्शी, सचिव राज सिंह, राजू सलारिया, बलवंत सिंह। संजीव सुदन, गीता रानी उपस्थित थे।

सिलिस्ती की लिखी स्टोरी बेबसी पर बनेगी बेब सीरीज

पुष्पांजली टुडे

राजस्थान भारत की मशहूर साहित्यिक पत्रिका, द लिटरेरी मिरर ने स्टोरी टू स्क्रीन 2020 इवेंट का आयोजन किया और लेखिका सिलिस्ती करुरिया ने स्टोरी टू स्क्रीन 2020 इवेंट में अपनी पहली पुस्तक चमड़े का लुटेरा और स्टोरी बेबसी का नॉमिनेशन करवाया।जहाँ स्टोरी टू स्क्रीन इवेंट में देश और विदेश के लेखको ने अपना नामांकन करवाया।द लिटरेरी मिरर टीम ने सर्वश्रेष्ठ कहानी / पुस्तक को एक वेब सीरीज में रूपांतरित करने के लिए% स्टोरी टू स्क्रीन 2020 इवेंट का आयोजन किया। नामांकन के 45 दिनों के बाद, प्रत्येक कहानी भारत के मशहूर जूरी सदस्यों के माध्यम से कुछ योग्य कहानी /किताबें लॉन्गलिस्ट में और बाद में शॉर्टलिस्ट में चली गईं।उसी शॉर्टलिस्ट से युवा लेखिका सिलिस्ती करुरिया की कहानी बेबसी को विजेता घोषित किया है। सिलिस्ती की लिखी स्टोरी बेबसी वेब सीरीज बनने के लिए चयन हुई है। स्टोरी टू स्क्रीन 2020%% इवेंट के एडिटर-इन-चीफ नीतीश राज और भारत के मशहूर जूरी सदस्यों ने मिलकर वेब सीरीज बनाने की आधिकारिक घोषणा की है। सिलिस्ती करुरिया बनस्थली विद्यापीठ राजस्थान से बायोसाइंस में पीएचडी कर रही है। सिलिस्ती करुरिया को चमड़े का लुटेरा उपन्यास को लेकर बहुत सारे अवार्ड से सम्मानित किया गया।सिलिस्ती करुरिया राजस्थान के अजमेर,सावर शहर की रहने वाली है।2019 में कोणार्क लिटरेचर फेस्ट ओडिशा और मुंबई फेस्ट 2020 में बेस्ट फिक्शन अवार्ड के लिए रोमांटिक रचना को नामांकित करते हुए अवार्ड से सम्मानित किया गया।सिलिस्ती करूरिया के पास पेंटिंग और रचनात्मक कार्यों के लिए एक कलम है,जिसे वह एक आत्मा के रूप में स्वीकार करती हैं। सिलिस्ती अपनी काल्पनिक दिमाग की सोच से कहानियाँ लिख कर देश के युवा लोगो को प्रेरित कर रही है। सिलिस्ती की स्टोरी बेबसी की वेब सीरीज फिल्म के लिए पूरा देश उत्सुक है।

न्यूज. ब्रीफ

सहवाग के 42वां जन्मदिन पर क्रिकेट जगत के खिलाड़ी दे रहे उन्हें बधाई

नई दिल्ली। मंगलवार को टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज वीरेंदर सहवाग का 42वां जन्मदिन है। इस मौके पर क्रिकेट जगत से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों ने उन्हें बधाई दी है। सचिन तेंडुलकर, युवराज सिंह और वीवीएस लक्ष्मण से लेकर मौजूदा कप्तान विराट कोहली ने अपने अंदाज में वीरू को बधाई दी हैं। सहवाग को उनके जन्मदिन के मौके पर सचिन तेंडुलकर ने उन्हें नंबर्स कॉम्प्लिमेंशन कर बधाई दी है, तब सहवाग ने भी इसी अंदाज में उन्हें शुक्रिया अदा किया है। सचिन ने 'चौके-छक्के' स्टाइल में दी बधाई, तब सहवाग ने सचिन को कहा शुक्रिया, बोले नंबर्स में कहां आपकी उपलब्धियां समाती हैं।

स्टीव जॉनसन ने मारिन सिलिच को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई

कोलोन। स्टीव जॉनसन ने पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन मारिन सिलिच को हराकर कोलोन टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दौर में जगह बनाई। जॉनसन ने जीत दर्ज की। दूसरे दौर में उनका मुकाबला दामिर जुमहुर और अलेक्सांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। आठवें वरीय एड्रियन मनारिनो ने एलेक्सेई पोपिरिन को 6-2, 6-2 से हराया। अगले दौर में उनका सामना मियोमिर केसमानोविच से होगा। जापान के योशिहितो निशिओका ने ब्रिटेन के काइल एडमंड को 6-4, 6-0 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना सातवें वरीय यान लेनार्ड स्ट्रुफ और मार्को सेचिनातो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

हम अपनी समस्याओं को सुलझाने के प्रयास कर रहे हैं : धोनी

अबू धाबी। चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल-13 में खराब फॉर्म बदस्तूर जारी है। शेख जायद स्टेडियम में उसे राजस्थान रॉयल्स ने सात विकेट से हरा दिया। तीन बार की विजेता के लिए इससे बुरा सीजन आईपीएल में कभी नहीं रहा और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी इससे बेहद निराश हुए हैं। मैच के बाद धोनी ने कहा कि वह टीम की समस्याओं को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें देखना होगा कि क्या हमारी प्रक्रिया गलत है। परिणाम तो प्रक्रिया का एक हिस्सा है, लेकिन एक बात सही है कि अगर आप प्रक्रिया पर ध्यान दोगे तो परिणाम का दबाव ड्रेसिंग रूम में नहीं आएगा। हम इसे सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा आप ज्यादा छंटाई नहीं करते हैं, क्योंकि तीन-चार-पांच मैच के बाद आप किसी चीज को लेकर आश्वस्त नहीं होते। असुरक्षा ऐसी चीज है जो आप अपनी टीम में नहीं चाहते। पिच को लेकर धोनी ने कहा इस पर तेज गेंदबाजों के लिए मदद थी।

शिकस्त देने के बाद बटलर को धोनी ने दिया 7 नम्बर जर्सी का तोहफा

दुबई। महेंद्र सिंह धोनी का तोहफा पाकर जोस बटलर अभीभूत हैं। दरअसल हुआ ऐसा कि आईपीएल 13 टूर्नामेंट में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैदान में उतरते ही 200 आईपीएल मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। हालांकि वह टीम को जीत नहीं दिला पाए और रॉयल्स 7 विकेट्स से जीत गए। जोस बटलर की 77 रन की नाबाद पारी के कारण रॉयल्स को जीत दर्ज करने में मदद मिली जिसके बाद बटलर को खास तोहफा भी मिला। सीएसके के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद बटलर को धोनी की सात नंबर वाली सीएसके की जर्सी के साथ देखा गया।

आईपीएल 2020: टूर्नामेंट का 39वां मैच आज अबुधाबी में खेला जाएगा

आरसीबी से बदला चुकता करने उतरेंगे कोलकाता नाइट राइडर्स

- फर्ग्युसन ने पिछले मैच में केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी
- सनराइजर्स हैदराबाद को सुपर ओवर में हराया था

दुबई ■ एजेंसी

तूफानी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन को देर से मौका देने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम ने लय हासिल कर ली है और बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में सितारों से सजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ पहले चरण में मिली हार का बदला चुकता करने उतरेंगी।

विश्व कप के उपविजेता न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज फर्ग्युसन की क्षमता को जानने के लिए नाइट राइडर्स को नौ मैच और कप्तानी में बदलाव की जरूरत पड़ी। इयोन मोर्गन ने अंततः फर्ग्युसन को मौका दिया और उन्होंने अपनी तेजी और विविधता से सनराइजर्स हैदराबाद को ध्वस्त कर दिया। फर्ग्युसन ने केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने चार ओवर में 15 रन पर तीन विकेट चटकाने के बाद सुपर ओवर में दो रन देकर दो विकेट हासिल किए। पिछले सत्र में केकेआर की ओर से पांच मैचों में सिर्फ दो विकेट चटकाने वाले फर्ग्युसन ने सत्र की अपनी पहली ही गेंद पर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन को आउट किया और फिर अपनी तेज और धीमी गेंदों के मिश्रण से सभी बल्लेबाजों को परेशान किया। मोर्गन की अगुआई वाली केकेआर की टीम 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि पांच मैच बचे हैं।

आरसीबी तीसरे स्थान पर

आरसीबी की टीम केकेआर से दो अंक आगे है और राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराने के बाद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर चल रही है। डिविलियर्स शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और रॉयल्स के खिलाफ 22 गेंद में नाबाद 55 रन की पारी खेलकर उन्होंने अकेले दम पर टीम को जीत दिलाई। कप्तान कोहली भी अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में बदलना चाहेंगे जिससे टीम की प्ले आफ में जगह बनाने की उम्मीदें बढ़ेंगी।

दोनों टीमों की संभावित खिलाड़ी

कोलकाता नाइट राइडर्स
शुभमन गिल, राहुल त्रिपाठी, नीतीश राणा, इयोन मोर्गन, दिनेश कार्तिक, लॉकी फर्ग्युसन, आंद्रे रसेल, पैट कमिंस, शिवम मावी, सुनील नारायण, कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर
देवदत्त पडीक्कल, आरोन फिंच, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, शिवम दुबे, क्रिस मोरिस, इसुरु उडाना, वॉशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, मो. सिराज, युजवेंद्र चहल।

फर्ग्युसन का इस्तेमाल किस तरह करते हैं। केकेआर हालांकि अब भी स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल की खराब फॉर्म को लेकर परेशान है जो अब तक बल्ले से प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। पिछले सत्र में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले रसेल मौजूदा सत्र में नौ मैचों में 11.50 की औसत से सिर्फ 92 रन बना पाए हैं। जमैका का यह ऑलराउंडर क्षेत्ररक्षण में भी जूझता दिखा है और उन्हें कुछ मैचों का ब्रेक देना बुरा विचार नहीं होगा। स्पिन विभाग में देखना होगा कि सुनील नारायण को मौका मिलता है या नहीं जिनके गेंदबाजी एक्शन को स्वीकृति मिल गई है। हैदराबाद के खिलाफ खेलने वाले लेग स्पिनर कुलदीप यादव ने नियमित स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के साथ मिलकर उपयोगी प्रदर्शन किया था।

धोनी की टीम सीएसके को प्लेऑफ की राह भी मुश्किल

अबु धाबी। हरफनमौला खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आईपीएल-13 के मुकाबले में सोमवार को राजस्थान रॉयल्स से पराजय का सामना करना पड़ा। इस शिकस्त के साथ धोनी की टीम की अब प्लेऑफ की राह भी मुश्किल हो गई है। चेन्नई टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 125 रन बनाए जिसके बाद राजस्थान ने जोस बटलर (70 नाटआउट) की शानदार पारी की बदौलत 3 विकेट खोकर ही 17.3 ओवर में आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। राजस्थान की यह 10 मैचों में चौथी जीत रही जिसके बाद उसके 8 अंक हो गए हैं। स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली टीम अब पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। वहीं, धोनी की टीम को 10 मैचों में 7वीं हार झेलनी पड़ी और अब उसका प्लेऑफ में पहुंचना आसान नहीं होगा।

मैन ऑफ द मैच रहे राजस्थान टीम के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर नंबर-5 पर बल्लेबाजी को उतरे और उन्होंने 48 गेंदों की अपनी नाबाद पारी में 7 चौके और 2 छक्के जड़े। उन्होंने इस सीजन का अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा। 126 रन के छोटे टारगेट का पीछा करते हुए राजस्थान के 3 विकेट मात्र 28 रन तक गिर गए थे लेकिन फिर बटलर और कैप्टन स्टीव स्मिथ जमे रहे और टीम को शानदार जीत दिलाई। बटलर ने कैप्टन स्टीव स्मिथ (26 नाटआउट) के साथ 98 रन की अविजित साझेदारी की। स्मिथ ने 34 गेंदों की अपनी पारी में 2 चौके लगाए लेकिन बटलर का पूरा साथ दिया। इससे पहले बेन स्टोक्स (19) और संजू सैमसन (0) को दीपक चाहर ने शिकार बनाया जबकि रॉबिन उथप्पा (4) को जोश हेजलवुड की गेंद पर धोनी ने लपका।

शक्ति पंप्स के घरेलू व्यापार में 178 फीसदी वृद्धि, निर्यात में भी इजाफा

मुंबई ■ एजेंसी

भारत की ऊर्जा कुशल पम्प्स तथा सौर ऊर्जा समाधानों के क्षेत्र में अग्रणी, शक्ति पम्प्स इंडिया लिमिटेड, ने 30 सितम्बर 2020 को समाप्त दूसरी तिमाही के अंत तक शानदार वित्तीय प्रदर्शन की उद्घोषणा की। प्रथम तिमाही की तुलना में कम्पनी ने घरेलू व्यापार में 178 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही के अंत तक 153 करोड़ रुपये का घरेलू व्यापार किया। यह आंकड़ा इस वर्ष की प्रथम तिमाही की तुलना में 98 करोड़ रुपये अधिक रहा। कंपनी ने इस वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत तक 48 करोड़ रुपये का निर्यात किया, जबकि पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 36 करोड़ रुपये था। ग्रामीण, कृषि तथा निर्यात में एनर्जी एफिशिएंट पम्प्स तथा सौर ऊर्जा समाधानों की मांग बढ़ने के कारण कंपनी की निरन्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन देने में सफल रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही में कंपनी ने 55 करोड़ का घरेलू व्यापार किया था। इस वर्ष की दूसरी तिमाही में निर्यात में 12 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी गयी। इन उत्साहवर्धक परिणामों के बारे में बात करते हुए, श्री दिनेश पाटीदार, चेयरमैन एवम मैनेजिंग डायरेक्टर, शक्ति पम्प्स लिमिटेड ने कहा- शक्ति पम्प्स के प्रबंधन व टीम के अथक प्रयासों के चलते पिछली तिमाही में हम सोलर पम्प्स निर्माण में तो अग्रणी रहे ही, साथ ही कृषि व्यवसाय एवं निर्यात में भी बढौतरी हासिल कर पाये. हमारी विशेषज्ञता, तकनीक, ग्राहकों का भरोसा, राज्य सरकार व केंद्र सरकार की नीतियों और वृद्धि के अवसरों की तलाश से लक्ष्यों तक पहुँचने में आसानी हुई है।

झंडु ने लॉन्च किया इम्यून इंडिया ऑफर

कोलकाता ■ एजेंसी

भारत में, एफएमसीजी क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी, इमामी लिमिटेड के स्वामित्व में, एक सदी पुराने आयुर्वेदिक ब्रैंड, झंडु ने इम्यून इंडिया ऑफर लॉन्च किया है, कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में, देश का साथ देने का प्रयास करते हुए, इस मुश्किल समय में, झंडु ने, हर भारतीय में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और व्यक्तिगत स्वच्छता की अच्छी आदत डालने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए, झंडु ने इम्यून इंडिया ऑफर नामक, एक अनोखा ऑफर लॉन्च किया है।

इसके तहत झंडु च्यवनप्राश, उस स्पेशल प्राइस पर लॉन्च किया गया, जिस कीमत पर पहले कभी इसकी बिक्री नहीं हुई थी। इतना ही नहीं, अब झंडु च्यवनप्राश के हर पैक के साथ झंडु आयुर्वेदिक सैनेटाइजर भी मुफ्त दिया जा रहा है। इमामी लिमिटेड के डायरेक्टर श्री हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा कि शेष दुनिया के साथ, हम एक अभूतपूर्व मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और कोरोना से जंग लड़ रहे हैं। इस समय दो चीजें हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है, अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना और व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना। भारत सरकार के केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए च्यवनप्राश खाने की सिफारिश की है। हम भी ,झंडु की 100 वर्षों की आयुर्वेदिक विरासत और ज्ञान का लाभ सर्वश्रेष्ठ ढंग से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

झंडु च्यवनप्राश का 900 ग्राम का पैक अब 100 रुपये की छूट के साथ मिल रहा है। इसके साथ इम्यून इंडिया ऑफर के तहत झंडु आयुर्वेदिक सैनेटाइजर मुफ्त दिया जा रहा है। महामारी के खिलाफ राष्ट्र का सहयोग कर, हमें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। हमारा मानना है कि हर भारतीय के शरीर की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए, यह पूरी तरह से उसकी जेब पर फिट बैठने वाला अफोर्डेबल कॉम्बो है। आयुर्वेद सार संग्रह के निर्देशानुसार निर्मित झंडु च्यवनप्राश में 39 बेशकीमती आयुर्वेदिक जड़ीबूटियों का बेहद शानदार मिश्रण है, जिसमें आंवला, गिलोय और अश्वगंधा शामिल हैं।

गोल्फ वेगास में सीजेकप गोल्फ में खेलते हुए टेलर गूफ।

सोने की कीमतें 117 रुपए गिरकर 50,570 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंची, चांदी 211 रुपए गिरकर 61,884 रुपए प्रति किग्रा हुई

- न्यूयॉर्क में सोना 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,903.20 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था
- न्यूयॉर्क में चांदी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

मंगलवार को वायदा बाजार में सोने की मांग में कमी के चलते सटोरियों ने अपनी पकड़ कमजोर कर ली, जिसके चलते सोने का भाव 117 रुपए गिरकर 50,570 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। दूसरी तरफ, वायदा कारोबार में चांदी कमजोर मांग के चलते 211 रुपए गिरकर 61,884 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर में डिलीवर होने वाले सोने की कीमत 117 रुपए या 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,570 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 14,026 लॉट के लिए कारोबार हुआ। फरवरी में डिलीवर होने वाले सोने की कीमत 84 रुपए या 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,660 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 1,402 लॉट के लिए कारोबार हुआ। न्यूयॉर्क में सोना 0.44% की गिरावट के साथ 1,903.20 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

चांदी की कीमत में गिरावट

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर डिलीवर के लिए चांदी की कीमत 211 रुपए या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,884 रुपए प्रति किग्रा हो गई, जिसमें 15,332 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वहीं, न्यूयॉर्क में चांदी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर में डिलीवर होने वाले सोने की कीमत 204 रुपए या 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,751 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई थी, जिसमें 14,671 लॉट के लिए कारोबार हुआ था। वहीं, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर डिलीवर के लिए चांदी की कीमत 839 रुपए या 1.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62,515 रुपए प्रति किग्रा हो गई थी

एसबीआई बैंक ने त्योहारों पर लाखों ग्राहकों को दिया तोहफा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने ग्राहकों को होम लोन पर ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की है। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के ग्राहकों को उनके सिबिल स्कोर के हिसाब से योनो के जरिये आवेदन करने पर 75 लाख रुपये से अधिक के आवास ऋण पर ब्याज में 0.25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। योनो बैंक का डिजिटल ऋण प्लेटफॉर्म है।

होम लोन किया सस्ता- एसबीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अपनी त्योहारी पेशकश के तहत वह ग्राहकों को 30 लाख रुपये से अधिक के और दो करोड़ रुपये तक के आवास ऋण पर क्रेडिट स्कोर के आधार पर ब्याज दर में 0.20 प्रतिशत की छूट देगा। पहले बैंक ने 0.10 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की थी। यह योजना देशभर के लिए होगी।

उठा सकते हैं फायदा- यही छूट आठ महानगरों में तीन करोड़ रुपये तक के आवास ऋण पर दी जाएगी। यदि ग्राहक योनो मंच के जरिये ऋण के लिए आवेदन करते हैं, तो 0.05 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। बैंक अभी 30 लाख रुपये तक का आवास ऋण 6.90 प्रतिशत की निचली ब्याज दर पर दे रहा है। 30 लाख रुपये से अधिक के आवास ऋण पर ब्याज दर सात प्रतिशत है।

त्योहारों पर बैंक ने दिया तोहफा- एसबीआई के प्रबंध निदेशक (खुदरा एवं डिजिटल बैंकिंग) सी एस शेट्टी ने कहा कि एसबीआई के सस्ते आवास ऋण के जरिये घर खरीदार अपने सपनों का आशियाना खरीद सकेंगे। अब देश कोविड-19 के बाद के दौर के लिए तैयारी कर रहा है। उपभोक्ता मांग अब सुधर रही है। एसबीआई में हम ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप आकर्षक पेशकश लाते रहेंगे।

प्रोसेसिंग शुल्क पर दी छूट- पिछले महीने बैंक ने अपने खुदरा ऋण ग्राहकों के लिए कई त्योहारी पहल की थीं। इसके तहत योनो के जरिये कार, सोने या व्यक्तिगत ऋण के लिए आवेदन करने वाले ग्राहकों को प्रोसेसिंग शुल्क से छूट दी गई थी।

म्यूचुअल फंड निवेश में रिस्क-ओ-मीटर के भरोसे न रहें

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड निवेशक जोखिम को ठीक तरह से पहचान सकें, इसके लिए बाजार नियामक सेबी ने जोखिम मापने के पैमाने में बदलाव किया है। म्यूचुअल फंड में जोखिम को बताने वाले रिस्क-ओ-मीटर में इसने अब एक नई कैटेगरी जोड़ी गई है। हालांकि, वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ रिस्क-ओ-मीटर के भरोसे म्यूचुअल फंड निवेश करना घाटे का सौदा हो सकता है। ऐसा इसलिए कि यह नया पैमाना किसी फंड के जोखिम के बारे में बताता है। वह उस फंड की पूरी जानकारी नहीं देता है। इसलिए सिर्फ इसको देखकर निवेश करना सही नहीं होगा।

स्टैंडर्ड नियम से बढ़ेगी मुश्किल- विशेषज्ञों का कहना है कि सेबी ने म्यूचुअल फंड जोखिम मापने के लिए रिस्क-ओ-मीटर में स्टैंडर्ड पैरामीटर तय है। हालांकि, यह सब फंड के लिए सही साबित नहीं होगा। उदाहरण के लिए अगर कोई निवेशक लंबे समय के लिए निवेश करना चाहता है और वह गिल्ट फंड के उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर सकता है लेकिन क्रेडिट फंड के डिफॉल्ट को सहन नहीं कर पाएगा। इस मामले में रिस्का-ओ-मीटर निवेशक को सही फैसला लेने में मदद नहीं करेगा। इसी तरह डायवर्सिफाइड और सेक्टोरल फंड को लेकर निवेशकों में उलक्षन बढ़ सकती है।

निवेश का पैमाना नहीं बनाएं- रिस्क-ओ-मीटर में मुख्य तौर पर तीन कारक होंगे- बाजार पूंजीकरण, उतार-चढ़ाव और लागत। लार्जकैप श्रेणी में शेयरों की रिस्क वैल्यू पांच के साथ अपेक्षाकृत कम रहेगी, जबकि मिडकैप के लिए सात और स्मॉलकैप के लिए नौ होगी। इसी तरह, कम उतार-चढ़ाव और लागत का मतलब कम रिस्क वैल्यू (मान लीजिए पांच) होगा, और ऊंची रीडिंग का मतलब नौ की रिस्क वैल्यू से होगा।

आलू-प्याज और टमाटर की कीमतों में लगी आग

नई दिल्ली। देश के विभिन्न भागों में हो रही बेमौसम बारिश के चलते आलू-प्याज और टमाटर के दामों में भारी उछाल आ गया है। आजादपुर मंडी में प्याज 30 से 50 रुपये, टमाटर, 30 से 40 रुपये और आलू 25 से 38 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। कारोबारियों का कहना है कि कीमत में बढ़ोतरी का यह ट्रेंड दिवाली तक जा सकता है। आजादपुर मंडी में आलू और प्याज मर्चेंट एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी राजेन्द्र शर्मा ने हिन्दुस्तान को बताया कि कर्नाटक, तेलांगना और माहाराष्ट्र समेत दूसरे राज्यों में बेमौसम बारिश से मंडियों में आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे आलू-प्याज और टमाटश्र के दाम में बढ़ोतरी हुई है। आलू के दाम नवरात्रि के चलते भी बढ़े क्योंकि इस दौरान मांग बढ़ जाती है। उन्होंने कीमत में कमी पर कहा कि यह कहना अभी मुश्किल है क्योंकि त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। वहीं बेमौसम बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में कीमत में आगे कितनी बढ़ोतरी होगी इसका अनुमान अभी लगाना मुश्किल है। देश में प्याज के शीर्ष उत्पादक क्षेत्र महाराष्ट्र के नासिक में भी प्याज का खुदरा मूल्य मंगलवार को 66 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 35 रुपये प्रति किलोग्राम था। प्याज की घरेलू

उपलब्धता और बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने पिछले महीने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

चेन्नई में प्याज 73 रुपये प्रति किलोग्राम पर- चेन्नई के खुदरा बाजार में प्याज की कीमतें मंगलवार को 73 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। यह दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में प्याज का सबसे महंगा दाम है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इस संबंध में आंकड़े जारी किए हैं। प्याज की कीमतें बढ़ने की वजह उत्पादक क्षेत्रों में बारिश होने से आपूर्ति बाधित होना है। आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में प्याज का खुदरा भाव 51 रुपये प्रति किलोग्राम, कोलकाता में 65 रुपये प्रति किलोग्राम और मुंबई में 67 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। मुंबई में भी प्याज की कीमत पिछले साल के 56 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर अब 67 रुपये प्रति किलोग्राम रही। जबकि कोलकाता में यह कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 65 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। दिल्ली में कीमतें एक साल पहले की समान अवधि में 46 रुपये प्रति किलोग्राम थी जो अब बढ़कर 51 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

पुष्पांजली टुडे
ग्वालियर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2020

एक नजर...

दूरदर्शन म.प्र पर आर्टिस्ट बेताल केन का गरबा डंडिया नवरात्री के दोनों राउंड का प्रसारण हुआ

दूरदर्शन मध्यप्रदेश पर नज़र आएं आर्टिस्ट बेताल केन

कुलदीप केन रिपोर्टर

ग्वालियर। ग्वालियर के आर्टिस्ट बेताल केन नीरज जैन के द्वारा दूरदर्शन के लिए किये गए गरबा डंडिया प्रोग्राम का सीधा प्रसारण क्रमशः 19 और 21 को शाम के 8=30 मिनट पर और रात्रि मे 12=30 मिनट पर दिखाया गया इसमे दोनों राउंड मे दोनों राउंड मे लगभग 2 दर्जन से अधिक बच्चों ने भाग लिया भाग लेने बाले बच्चों मे पहले राउंड मे क्रमशः खुशबू,सोनम, आन्वी, तपर्णा, शारा, अध्या, श्रेयश, दिव्या, तबस्सुम, श्रेयश,सीमा, सपना, छवि और 2 ठुस्र राउंडमे वर्षा, सुनील, शिखा, दीप, स्मिता, आयुषी, पूजा, प्रतिमा, सीमा, का सिलेक्शन होकर मौका मिला दोनों ही राउंड को कोरिओग्राफर आर्टिस्ट बेताल केन ओर कुलदीप केन दोनो भाइयों ने कोरिओग्राफ कर रिंग संभाली ओर सभी बच्चों को नत्य कराया डायरेक्टर नीरज जैन ने दोनों राउंड का डायरेक्शन संभाला सभी बच्चों को सुधा ज्वेलर्स द्वारा ड्रेस स्पोंसर की गई डायरेक्टर जैन व बेताल केन ओर कुलदीप केन के द्वारा बताया गया की उनके पास नेशनल चेंनल के लिए और भी कुछ प्रोग्राम करना है जिनके लिए ऑडिशन चालू है जिसके लिए आर्टिस्ट बेताल केन मो.9713046397 डायरेक्टर जैन से सम्पर्क कर सकते है अभी के प्रोजेक्ट पर बात करने पर उनकी बहुत ही जल्द कौन बनेगा हजार पति और लव के साइड इफ़ेक्ट वेब सीरीज पर काम चल रहा है जिसका बहुत जल्द शहर ग्वालियर मे रिलीज़ होगा ,आर्टिस्ट बेताल केन नीरज जैन ,

ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट का उम्मीदवारों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ रेण्ड़माईजेशन

दतिया। दतिया जिले के भाण्ड़ेर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (अ.जा.) में 3 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए उपयोग में की जाने वाली ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मशीनों का द्वितीय रेण्ड़माईजेशन बुधवार ई-दक्ष न्यू कलेक्ट्रेट में सामान्य प्रेक्षक श्री उदयन मिश्रा एवं राजनैतिक दलों के पदाधिकारी तथा उम्मीदवारों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। द्वितीय चरण के रेण्ड़माईजेशन के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी. विजय दत्ता, पुलिस अधीक्षक श्री गुरूकरण सिंह, उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री अशोक सिंह चौहान, रिटर्निंग ऑफीसर विधानसभा क्षेत्र भाण्ड़ेर श्री अरविन्द माहौर, एनआईसी की सूचना अधिकारी श्रीमती पूनम मांडरे सहित अशोक पवार/राजेश कुमार जौहरी समता समाधान पार्टी से, रघुवीर रवि वंशकार निर्दलीय, रोहित श्रीवास्तव भाजपा से, चन्द्रशेखर निर्दलीय, जितेन्द्र सिंह बुन्देला आईएनसी से, रामदयाल प्रभाकर/अवधेश प्रभाकर वंचित बहुजन अगाड़ी दल से उपस्थित रहे। रेण्ड़माईजेशन उपरांत आंवटित मशीनों की सीट उम्मीदवारों एवं राजनैतिक दलों को प्रदाय की गई।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

दतिया। कलेक्टर श्री बी. विजय दत्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री गुरूकरण सिंह ने भाण्ड़ेर (अ.जा.) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत् उपनिर्वाचन हेतु बनाए गए मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान केन्द्रों पर की जा ने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान अनुविभागीय दण्ड़ाधिकारी एवं रटर्निंग ऑफीसर भाण्ड़ेर श्री अरविन्द माहौर, तहसीलदार श्री सूर्यकांत त्रिपाठी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऑफीसर सिंह गुर्जर आदि साथ थे। कलेक्टर ने सदका, बिल्हेटी, पण्ड़ोखर, सोफ्ता आदि मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते वक्त मतदान केन्द्र पर मतदान के दिन मतदाताओं को उपलब्ध कराई जाने वाली मूल-भूत सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने दतिया शहर के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का किया निरीक्षण

दतिया। धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से दतिया जिले का अपना विशेष महत्व है। श्रृद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर से बेहतर सुविधाये मिले इसी को ध्यान में रखते हुए। कलेक्टर श्री बी. विजय दत्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री गुरूकरण सिंह ने अधिकारियों के साथ दतिया शहर का भ्रमण कर नगर की साफ-सफाई ट्राफिक व्यवस्था के साथ पर्यटक तथा धार्मिक स्थलों का निरीक्षण कर पर्यटक एवं श्रृद्धालुओं को बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराने के अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दत्ता और पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बुधवार को संबंधित अधिकारियों के साथ नगर के पर्यटक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर व्यवसथाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटकों एवं श्रृद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए बेहतर से बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने नगर के भ्रमण के दौरान बस स्टैण्ड़ पर साफ-सफाई, सीता सागर एवं करन सागर के निरीक्षण के दौरान जलखुंबी को हटाने उसके जीर्णोद्धार का कार्य करने तथा आकर्षक रंगीन लाईटिंग कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मां पीताम्बरा पीठ के मुख्य मार्ग पर साफ-सफाई कराने, निजी होर्डिंग हटाने के साथ-साथ पार्किंग की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

विधानसभा उपनिर्वाचन-2020

कहीं रैली तो कहीं शपथ लेकर मतदान में भाग लेने का लिया संकल्प

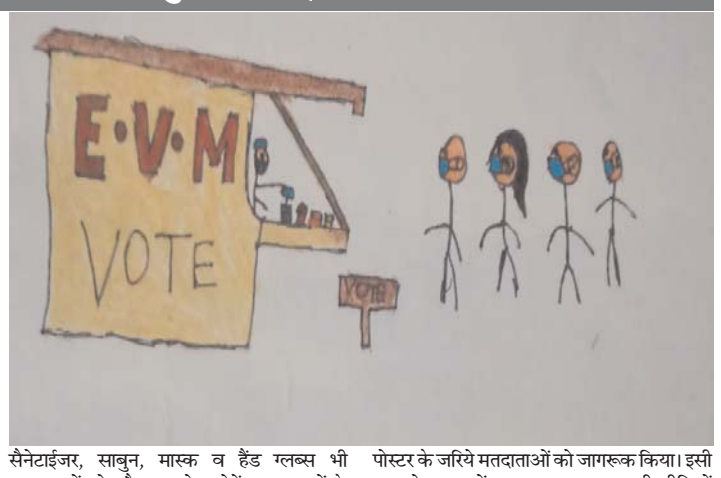

जिला पंचायत के मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्री वर्मा ने टेकनपुर में दिलाई मतदान करने की शपथ

ग्वालियर। कहीं रैली निकाल कर तो कहीं शपथ लेकर और कहीं चित्रकला, पोस्टर व वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के माध्यम से मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। जिले में स्वीप (सिस्टेमेटिक वोटर्स एज्यूकेशन एण्ड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) के तहत मतदाताओं के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस कडी में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने बुधवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय टेकनपुर में इस अभियान का शुभारंभ किया। साथ ही गांव के मतदाताओं एवं शिक्षकों सहित अन्य विभाग के मैदानी कर्मचारियों को आवश्यक रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के पालन में हर मतदान केन्द्र पर कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं। मतदान केन्द्रों पर प्रत्येक मतदाता की थर्मल स्क्रीनिंग की जायेगी। साथ ही सैनेटाईजर, साबुन, मास्क व हैंड ग्लब्स भी मतदाताओं को मुहैया कराये जायेगें। मतदाताओं के वोट डालने के लिए लाईन में लगने की जरूरत भी नहीं पडेगी। हर मतदान केन्द्र पर मतदाताओं के बैठने की व्यवस्था की जायेगी और उन्हें टोकन सिस्टम से वोट डालने के लिए भेजा जायेगा जिससे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके। स्वीप के तहत बुधवार को जनपद शिक्षा केन्द्र मुरार शहर क्रमांक -1 के शिक्षकों ने यहां ठाठीपुर स्थित स्वामी विवेकानंद तिराहा पर रैली व पोस्टर के जरिये मतदाताओं को जागरूक किया। इसी तरह टेकनपुर में स्व-सहायता समूह की दीदिओं ,आंगवाडी व आशा कार्यकर्ताओं ने भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रैली निकाली इनके अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से जुडे बच्चों ने पेंटिंग बनाकर अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया। इसके अलावा अन्य संस्थाओं और गावों में भी मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

उम्मीदवार एवं राजनैतिक दल आचार संहिता का पूर्ण रूप से पालन करें

दतिया। भाण्ड़ेर विधानसभा क्षेत्र (अ.जा.) में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों की जानकारी देने एवं आदर्श आचरण संहिता का पालन किए जाने हेतु व्यय प्रेक्षक श्री वृज सिंह (आईआरएएस 2015) की अध्यक्षता में भाण्ड़ेर में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में भाण्ड़ेर विधानसभ निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसर सिंह अरविन्द माहौर, सहायक रिटर्निंग ऑफीसर श्री सूर्यकांत त्रिपाठी सहित चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता उपस्थि थे। निर्वाचन व्यय प्रेक्षक श्री सिंह ने बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सभी उम्मीदवार एवं राजनैतिक दलों को आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता का पूर्णतः पालन करना है। उन्होंने निर्वाचन के दौरान व्यय की जाने वाली राशि के संबंध में भी जानकारी दी। श्री सिंह ने सभी उम्मीदवरों एवं राजनैतिक दलों से कहा कि आमसभा, नुक्कड़ सभायें, रैली, जुलूस निकालने से पहले अनुमति आवश्यक रूप से लें और अनुमति में दी गई शर्तो का शतप्रतिशत पालन भी करें। इसके साथ-साथ कोविड़-19 की गाईड लाईन का भी पालन करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक उम्मीदवार को निर्वाचन के दौरान संचालित होने वाली गतिविधियों की डीवीडी तैयार कर 24 घंटे के अंदर जिला निर्वाचन कार्यालय एवं रिटर्निंग ऑफीसर भाण्ड़ेर को भी उपलब्ध कराई जाए। श्री सिंह ने कहा कि उम्मीदवार एवं राजनैतिक दल उनके द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों में भाग लेने वाले व्यक्तियों की थर्मल स्क्रीनिंग कराये। प्रत्येक व्यक्ति मास्क का उपयोग करें और कार्यक्रम स्थल पर सेनेटाईजर और हैण्ड़ ग्लब्स की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जावे।

उम्मीदवार 10 हजार तक की राशि नगद व्यय कर सकेंगे-व्यय प्रेक्षक ने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार ऐसा कोई संदेश न डाला जाए जिससे आचार संहिता का उल्लंघन हो। उन्होंने बताया कि 22 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे से पॉलीटैक्निक कॉलेज में ईव्हीएम मशीन की कमीशनिंग का कार्य होगा। इस दौरान सभी उम्मीदवार उपस्थित हो सकते है। श्री सिंह ने बताया कि सभी उम्मीदवारों को निर्वाचन व्यय हेतु पृथक से बैंक अकाउंट खोला गया है। 10 हजार तक राशि नगद और इससे अधिक की राशि चैक के माध्यम से खर्च करनी होगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को दिए गए व्यय रजिस्टर में प्रतिदिन के खर्चे का संघारण करना होगा।

लालच में अंधे होकर जनमत और जनता के विश्वास के हत्यारे बन गये बिकाऊलाल : डॉ.सिकरवार

ग्वालियर। सर्वहारा वर्ग के उत्थान एवं विकास को गति देने में हम कोई कसर नही छोडेंगे। क्षेत्र का विकास व प्रगति ही राजनीति में मेरा प्रथम लक्ष्य है, मगर कुछ लोग झूठ-फरेब का सहारा लेकर जनता को गुमराह करने का कार्य कर रहे है। लालच में अंधे होकर जनमत और जनता के विष्वास के हत्यारे बन गये बिकाऊलाल को जनता 3 नबम्बर को होने वाले मतदान में जबाब देगी। डॉ. सिकरवार ने कहा कि कॉग्रेस गरीबो की भलाई के लिए काम करती है और युवाओं को रोजगार देने का काम किया। कॉग्रेस जो कहती है कर के दिखाती है। यह बात ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस प्रत्याषी डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने विभिन्न स्थानों पर हुई बैठकों को संबोधित करते हुए कही। बैठकों में

महिलाओं ने डॉ.सिकरवार को तिलक कर आर्षीवाद दिया।

वार्ड-27 में हुआ सघन् जनसम्पर्कः- आज सुबह करीब 8 बजे कार्यकर्ता डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के नेतृत्व में किचलू का बाडा मुरार पर एकत्रित हुये और वहां से गेरूवाला बंगला, आर्यनगर गली नं.3, आर्यनगर गली नं.2, सम्भाजी कॉलोनी, नर्मदा कॉलोनी, ईदगाह कॉलोनी, रामनगर, काली माई संतर, नदी संतर, बहरा पण्डित संतर, सौदागर संतर, कोतवाली संतर, जैन मंदिर संतर, काली माई संतर, गंगा माई संतर, मुखर्जी नगर, चिक संतर, षम्भूमल की बगीची, ब्लॉक कार्यालय पर जनसम्पर्क का समापन किया। जनसम्पर्क के दौरान जगह-जगह डॉ.सिकरवार का पुश्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। कल दिनांक 22 अक्टूबर कार्यक्रमः- प्रातः 8 बजे हुरावली तिराहा से वार्ड क्रमांक 60 में जनसम्पर्क षुरू होगा।

TOMAR ASSOCIATES
शीघ्र करें, ऑफर सीमित समय के लिये
नवरात्री के अवसर पर विशेष छूट पर प्लॉट उपलब्ध
ग्वालियर शहर में आसान मासिक किस्तों पर प्लॉट उपलब्ध। भिण्ड-ग्वालियर मैन रोड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर सर्व सुविधा युक्त पक्की कॉलोनी गौरी नगर में प्लॉट उपलब्ध हैं।
500, 600, 800, 1000, 1200 वर्ग फुट
नोट : तुरन्त रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्रीखर्चे में 25 प्रतिशत का खर्चा TOMAR ASSOCIATES द्वारा दिया जायेगा।
नवरात्री पर विशेष छूट बेटी वाले परिवार को 100 रू वर्गफीट की विशेष छूट रहेगी।
कॉल करें या मिलें 9 से 6 बजे तक
पता : 03 तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा. म.प्र.
मो.: 9713253992, 9165260261, 9111503705.
मुद्रक : भारत प्रिंटर्स, गिर्राज प्लाजा, पिन्टो पार्क, ग्वा. 9644042434

मतदाता को जागरूक किए जाने हेतु प्रतिदिन हो रहे है कार्यक्रम

भाण्ड़ेर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान हेतु दिलाई शपथ

दतिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी. विजय दत्ता के मार्गदर्शन में मतदाताओं को जागरूक किए जाने हेतु स्वीप कार्यक्रम के तहत् अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही है। जिससे भाण्ड़ेर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता 3 नवम्बर को अपने मताधिकार का उपयोग कर सके। स्वीप गतिविधि के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि जिले की भाण्ड़ेर विधानसभा क्षेत्र के साथ करैरा विधानसभा के अंतर्गत दतिया जनपद पंचायत में आने वाले ग्राम पंचायतों में स्वीप गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसी कड़ी में आज मतदाताओं को जागरूक किए जाने हेतु मतदान करने की शपथ दिलाई गई। जनपद पंचायत दतिया के ग्राम पंचायत सड़वारा के प्राथमिक विद्यालय परिसर में बनाए गए मतदान केन्द्र पर मतदाताओं को 3 नवम्बर को मतदान करने की शपथ दिलाकर रैली के माध्यम से जागरू किया गया। ग्राम पंचायत सोहन, खिरिया आलम में युवा मतदाताओं एवं महिला मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने की अपील के साथ कोविड-19 से सुरक्षित रहने हेतु गाईड लाईन का पालन करने की सलाह दी। इसी कड़ी में सोहन में महिला मतदाताओं को मतदान हेतु शपथ दिलाई गई तथा हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से भी मतदान के लिए प्रेरित किया गया। दिव्यांग मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही युवा मतदाताओं को भी उने मताधिकार की जानकारी प्रदाय कर 3 नवम्बर को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इसीक्रम में रंगोली के माध्यम से भी महिलाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया गया।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
निःशुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

P TV NEWS INDIA
प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478